आई.एस.ओ.9001:2000 अवार्ड प्राप्त

यश भारत

नये जमाने के साथ ...

● वर्ष- 16 अंक 266-● जबलपुर ● सोमवार, 31 अक्टूबर, 2022 ● मूल्य- 2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● कार्तिक मास शुक्ल पक्ष-7 ● विक्रम संवत् 2079 शके 1935

सोमवार सुबह सामने आई ये तस्वीर मोरबी जिला अस्पताल की है। यहां हादसे में मारे गए लोगों की बॉडीज रखी गई हैं। शवों से अस्पताल का पूरा गलियारा पट गया है।

गुजरात में ब्रिज टूटा, 190 की मौत

गांधीनगर एजेंसी। गुजरात के मोरबी पुल हादसे में मृतकों की संख्या सोमवार सुबह 190 पहुंच गई। इनमें 25 बच्चे हैं। मृतकों में महिलाओं और बुजुर्गों की संख्या भी ज्यादा है। 170 लोग रेस्क्यू किए गए हैं। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे तब हुआ, जब 765 फीट लंबा और महज 4.5 फीट चौड़ा केबल सस्पेंशन ब्रिज टूट गया। 143 साल पुराना पुल ब्रिटिश शासन काल में बनाया गया था। यह पुल पिछले 6 महीने से बंद था। कुछ दिन पहले ही इसकी मरम्मत की गई थी। हादसे से 5 दिन पहले 25 अक्टूबर को यह ब्रिज आम लोगों के लिए खोला गया। रविवार को यहां भीड़ क्षमता से ज्यादा हो गई। हादसे की भी यही वजह बताई जा रही है।

मृतकों में राजकोट के भाजपा सांसद मोहन कुंदरिया की फैमिली के 12 लोग शामिल

इस दर्दनॉक हादसे में राजकोट के भाजपा सांसद मोहन कुंदरिया की फैमिली के 12 लोगों की जान चली गई। पुल हाल ही में मरम्मत के बाद जनता के लिए फिर से खोला गया था। राज्य सरकार ने मोरबी की घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया है। आईएएस अधिकारी एवं एएमसी आयुक्त राजकुमार बेनीवाल, गांधीनगर में सड़क एवं भवन में गुणवत्ता नियंत्रण विभाग के मुख्य अभियंता केएम पटेल, एलडी इंजीनियरिंग कॉलेज के साथ एचओडी स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग विभाग डॉ गोपाल टैंक, सचिव सड़क एवं आवास संदीप वसावा और सीआईडी (अपराध) आईजी सुभाष त्रिवेदी की एक कमिटी बनाई गई है, जो मामले की जांच करेगी। आज सुबह भी आर्मी, NDRF और SDRF की टीमों का रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। मच्छू नदी में पानी कम करने के लिए चेक डैम तोड़ा जा रहा है। मामले में ब्रिज की मैनेजमेंट कंपनी पर गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। जांच के लिए कमेटी बनी है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर बोलते-बोलते पीएम मोदी का गला रूंधा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस पर बोल रहे थे। इस दौरान वे भावुक हो गए। कहा- जिन लोगों को अपना जीवन गंवाना पड़ा, उनके परिवारों को प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। बचाव कार्य में NDRF, सेना और वायुसेना की टीमें लगी हुई हैं। लोगों को दिक्कतें कम हों, ये कोशिश है।

हवा में झूलता टूटा पुल

नहीं होगा पोस्टमार्टम

1. मोरबी हादसे में मारे गए लोगों का पोस्टमॉर्टम नहीं किया जाएगा।
2. राजकोट के भाजपा सांसद के परिवार के 12 लोग हादसे में मारे गए।
3. NDRF के अफसर ने आशंका जताई है कि पुल के नीचे शव फंसे हो सकते हैं।
4. हेल्पलाइन नंबर 02822243300) जारी। मोरबी और राजकोट हॉस्पिटल में इमरजेंसी वार्ड बना।

बचाव दल खोजबीन में जुटा

रेस्क्यू अफसर बोले — पुल के नीचे शव फंसे हो सकते हैं, मटमैले पानी में ढूंढना मुश्किल

टूटे पुल पर जान अटकी थी; कोई तैरकर बच आया, तो कोई कंधे पर लाश लिए भाग रहा था

हादसे से जुड़े कुछ वीडियोसोशल मीडिया में वायरल हैं। ब्रिज टूटने से तुरंत बाद का वीडियो दिखाई दे रहा, जिसमें लोग टूटे ब्रिज पर लटके हुए मदद की गुहार लगा रहे हैं। हादसे के बाद कोई तैरकर बच आया तो किसी को वहां पर मौजूद लोगों ने बचाया। एक वीडियो में कुछ लोग एक शव को लिए भाग रहे थे। हादसा रविवार शाम 6.30 बजे हुआ था। 143 साल पुराना यह पुल 6 महीने से बंद था। हाल ही में इसकी मरम्मत की गई थी। 25 अक्टूबर को इसे आम लोगों के लिए खोला गया था। रविवार होने की वजह से भीड़ ज्यादा हो गई। हादसे की यही वजह बताई जा रही है। जिला प्रशासन ने हेल्पलाइन नंबर (02822243300) जारी किया है। घायलों के इलाज के लिए मोरबी और राजकोट हॉस्पिटल में इमरजेंसी वार्ड बनाया गया है। रेस्क्यू में लगे अफसर ने कहा कि इतनी मौतें पहली बार देखी हैं। नदी के मटमैले पानी में हमें लोगों को ढूंढने में दिक्कत आ रही है। इस वीडियो में हादसे के तुरंत बाद टूटे ब्रिज पर लोग लटके हुए दिखाई दे रहे हैं। इनमें से कुछ के शरीर का हिस्सा पानी में हैं। ये सभी टूटे ब्रिज से मदद मांगते नजर आ रहे हैं। खबर है कि ब्रिज पर लटके लोगों को बाद में बचा लिया गया। हादसे के कारण नदी में डूबे लोगों को बचाने के लिए स्थानीय लोग नदी में उतर गए। उन्होंने डूबे लोगों को नदी से बाहर निकाला और मेडिकल टीमों ने उन्हें अस्पतालों तक पहुंचाया। एक ऐसा भी वीडियो सामने आया है, जिसमें कुछ लोग एक शव को बाहर निकाल रहे हैं।

अस्पताल में घायलों का इलाज और लाशें ही लाशें

यह अस्पताल के अंदर का वीडियो है, जहां अफरा-तफरी का माहौल था। यहां हादसे में मरने वालों के शव और घायलों को लाया गया। हॉस्पिटल में पीड़ित लोगों के साथ-साथ भीड़ भी बढ़ गई थी। इसमें ज्यादातर पीड़ितों के परिजन थे, जो बदहवास दिख रहे थे।

गर्भवती की जान गई, जिंदगी में ऐसा नहीं देखा था

एक चश्मदीद का कहना है कि - मैं यहां हर रविवार को चाय बेचता हूं। मैंने लोगों को तार से लटके देखा। इसके बाद वे फिसलने लगे। मैं रातभर नहीं सोया। पूरी रात लोगों को बचाने में जुटा रहा। मेरा दिल तब दहल गया, जब मैंने 7-8 महीने के गर्भवती की लाश देखी। मैंने अपनी जिंदगी में ऐसा कुछ नहीं देखा।हादसे के वक्त मौजूद चश्मदीद हसीना ने कहा- मैं हादसे को शब्दों में बयां नहीं कर सकती। वहां बच्चे भी थे। मैं अपने परिवार के जितने लोगों की मदद कर पाई, मैंने की। मैं लोगों को अस्पताल ले जाने के लिए अपनी गाड़ी दे दी। मैंने जिंदगी में ऐसा मंजर नहीं देखा। भाजपा सांसद मोहन कुंडारिया ने बताया कि ब्रिज टूटने से जहां लोग गिरे, वहां 15 फीट तक पानी था।

कुछ युवक जानबूझकर हिला रहे थे पुल

अहमदाबाद के रहने वाले विजय गोस्वामी और उनके परिवार के लोग मोरबी में हुए पुल हादसे में बाल-बाल बच गए। गोस्वामी पूरे परिवार के साथ रविवार को हुए भीषण हादसे से कुछ घंटे पहले ही पुल पर गए थे, लेकिन युवकों की ओर से केबल पुल हिलाए जाने के कारण वह नीचे उतर आए। हालांकि, कुछ घंटों बाद उनका डर सही साबित हुआ और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र मच्छु नदी पर बना केबल पुल शाम करीब 6.30 बजे टूट गया। उनका परिवार पुल पर था तो कुछ युवक जानबूझ कर पुल को हिला रहे थे, उस कारण पुल पर लोगों का चलना भी दूभर हो रहा था।

काले जादू के शक में गांववालों ने तीन लोगों को बुरी तरह पीटा, एक की मौत

छिंदवाड़ा में मॉब लिचिंग

छिंदवाड़ा यशभारत। जिले च्नदनवाड़ी गांव में गुरुवार देर रात काले जादू के शक में ग्रामीणों ने एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी, जबकि दो अन्य घायल हो गए। मृतक की पहचान बालापुर निवासी 55 साल के गोमा के रूप में हुई है। वहीं 35 साल के शेषराव इवनती और 43 साल के ढोलनखापा निवासी पुन्नू उइके इस घटना में घायल हो गए हैं। पुलिस ने इसकी जानकारी दी। पुलिस उपमंडल अधिकारी रोहित लिखरे ने कहा, च्नदनवाड़ी गांव में पिछले दो महीने में गुरुवार शाम पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने पर पंचायत बुलायी गई। ग्रामीणों का कहना है कि रहस्यमय प्रथाओं के कारण मौतें हो रही हैं। गोमा, शेषराव और पुन्नू पर ग्रामीणों को शक था। पंचायत के दौरान ग्रामीणों ने उनपर आरोप लगाना शुरू कर दिया और अचानक वे हिंसक हो गए। उन्होंने तीनों पर हमला किया। गोमा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि शेषराव और पुन्नू घायल हो गए। दोनों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां शेषराव की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दो दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ मारपीट व हत्या का मामला दर्ज किया है।

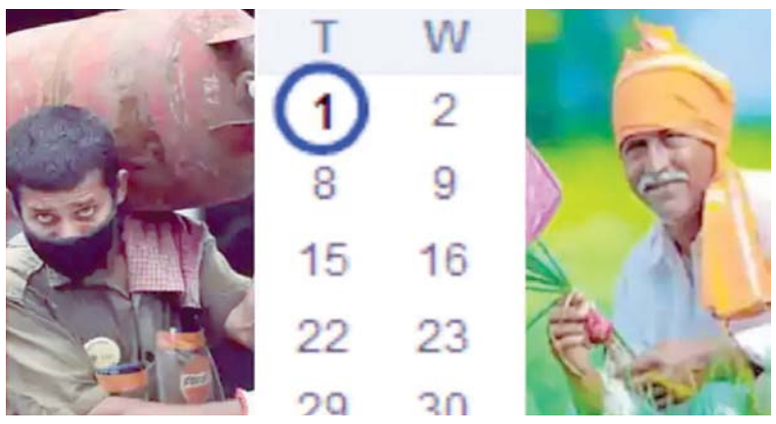

पीएम किसान से लेकर रसोई गैस तक, कल से बदल रहे हैं कई नियम

आम आदमी पर पड़ेगा सीधा असर

नई दिल्ली, एजेंसी। बीमा से लेकर रसोई गैस खरीदने, बिजली सब्सिडी लेने, दिल्ली एम्स में दिखाने सहित कई नियम एक नवंबर से बदल जाएंगे। इसके अलावा पीएम किसान योजना की राशि का जानकारी खाते में जांचने के लिए भी नियमों में बदलाव किया गया है। इनमें ज्यादातर आपकी सुविधा बढ़ाने वाले हैं। वहीं कुछ बदलाव आपकी जेब हल्की भी कर सकते हैं। बीमा नियामक इरडा ने गैर- जीवन बीमा पॉलिसी खरीदने पर केवाईसी अनिवार्य कर दिया है। अब तक यह केवल जीवन बीमा के लिए अनिवार्य था और गैर-जीवन बीमा जैसे स्वास्थ्य और वाहन बीमा में एक लाख रुपये से अधिक के क्लेम की स्थिति में ही जरूरी था। लेकिन एक नवंबर से सबके लिए अनिवार्य हो जाएगा। एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के बाद आपके रजिस्टर्ड मोबाइल पर ओटीपी आएगा। आपको गैस की डिलीवरी के समय ओटीपी बताना होगा तभी आपको मिलेगी। सरकार ने किसी भी तरह के फर्जीवाड़े को रोकने के लिए यह किया है। इसके अलावा हर महीने की पहली तारीख को गैस सिलेंडर के दामों में बदलाव की संभावना रहती है, क्योंकि हर महीने की पहली तारीख को इनकी समीक्षा की जाती है। ऐसे में एक नवंबर को दाम में बदलाव देखने को मिल सकता है। पीएम किसान योजना की 12वीं किस्त का पैसा भेजने से पहले बड़ा बदलाव किया गया है।

अमरावती में जर्जर इमारत ढही 5 की मौत 2 घायल

अमरावती, एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती में एक दो मंजिला इमारत ढह गई। हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 शख्स घायल है। अमरावती पुलिस ने मामले की जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि हादसे के वक्त बिल्डिंग में कई लोग मौजूद थे। अभी तक 5 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। मलबे में दबने से 2 शख्स घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। राहत और बचाव का काम चल रहा है।

सावधान! कोरोना का खतरा टला नही

चेन्नई, ईएमएस। ओमिक्रान के सब-वैरिएंट XBB के चलते कोरोना के मामले एक बार फिर से बढ़ने लगे हैं। XBB.3 सब-वैरिएंट की वजह से सिंगापुर में कोविड इंफेक्शन में तेजी से उछाल आई है। भारत के लिए भी यह खतरा बनता जा रहा है। देश के 9 राज्यों में अब तक XBB के केस रिपोर्ट हुए हैं, जिनमें तमिलनाडु सबसे ऊपर है।GISAID एक इंटरनेशनल रिसर्च ऑर्गनाइजेशन है। यह वायस में होने वालों बदलावों पर नजर रखता है।

कोहली के फैन ने लांघी सीमा, लीक किया उनके होटल रूम का वीडिया; वॉर्नर समेत भड़के फिल्मी सितारे

नई दिल्ली, एजेंसी। विराट कोहली ने सोमवार सुबह अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट जिसमें उनके होटल का कमरा दिख रहा है। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए पूर्व कप्तान ने बताया कि कैसे उनकी प्राइवेसी का हनन हुआ। कोहली द्वारा पोस्ट की गई वीडियो पर लिखा है चकिंग कोहली का होटल रूमज। वीडियो को देखने पर साफ पता चलता है कि एक फैन ने उनकी गैरमौजूदगी में यह वीडियो शूट किया है। इस वीडियो के लीक होने के बाद विराट कोहली काफी गुस्से में नजर आए और उन्होंने एक नोट लिखकर फैंस ने उनकी प्राइवेसी का सम्मान करने की बात कही है।विराट कोहली ने लिखा चमैं समझ सकता हूं कि फैन्स अपने पसंदीदा खिलाड़ी को देखकर खुश और उत्साहित हो जाते हैं और उनसे मिलने के लिए उतावले होते हैं और मैंने हमेशा इस बात को सराहा है। लेकिन यह वीडियो डराने वाला है और इसे देखकर मैं अपनी प्राइवेसी को लेकर पागल हो रहा हूं। अगर मुझे मेरे ही होटलरूम में प्राइवेसी नहीं मिलती तो मैं और किसी जगह कैसे प्राइवेसी की उम्मीद कर सकता हूं। मैं इस तरह के फैनाटिज्म को सही नहीं मानता हूं, यह मेरी प्राइवेसी का पूरी तरह से उल्लंघन है।

अपने लिए सभी जीते हैं, लेकिन ऐसा जीना क्या।
जीना दीन-दुखी की खातिर, इससे बेहतर जीना क्या।।

संजय सत्येन्द्र पाठक
पूर्व राज्यमंत्री, विधायक विजयराघवगढ़
को सार्थक जीवन यात्रा के एक और पड़ाव पर
हार्दिक बधाई
यश भारत परिवार

दयालु था, दुष्कर्म के बाद बच्ची को जिंदा छोड़ा

हाईकोर्ट ने पहले की थी यह टिप्पणी, अब किया सुधार

भोपाल ,ईएमएस। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने चार साल की बच्ची से दुष्कर्म के मामले में की गई अपनी एक टिप्पणी में सुधार किया है। उच्च न्यायालय ने 18 अक्टूबर को दिए अपने फैसले में कहा था कि दोषी ने च्चुष्कर्म के बाद बच्ची को जिंदा छोड़ दियाज यह उसकी दयालुता थी। इस वजह से दोषी को दी गई आजीवन कैद की सजा को 20 साल के कठोरतम कारावास में बदला जा सकता है। हाईकोर्ट के इंदौर बेंच की इस टिप्पणी की आलोचना की जा रही थी। अब अदालत ने उक्त टिप्पणी में सुधार के साथ फैसले में भी संशोधन किया है। अदालत ने दयालु था, दुष्कर्म के बाद बच्ची को जिंदा छोड़ा टिप्पणी को हटा दिया है, साथ ही दुष्कर्म के अपराधी की सजा को आजीवन कारावास से घटाकर 20 साल कैद में बदलने के आदेश को संशोधित किया है। अदालत का कहना है कि अनजाने में उसके फैसले में गलती हुई है। 27 अक्टूबर को दिए गए संशोधित आदेश में न्यायाधीश सुबोध अभ्यंकर और सत्येंद्र कुमार सिंह की डबल बेंच ने कहा कि यह संज्ञान में लाया गया है कि इस अदालत की ओर से 18 अक्टूबर को दिए गए फैसले में अनजाने में गलती हुई है, जहां प्रकार की टिप्पणी का इस्तेमाल उस अपीलकर्ता के लिए किया गया है जिसको दुष्कर्म के अपराध में दोषी ठहराया गया है। 18 अक्टूबर को अपने फैसले में अदालत ने कहा था कि उसे ट्रायल कोर्ट द्वारा सबूतों और अपीलकर्ता के राक्षसी कृत्य पर विचार करने में कोई त्रुटि नजर नहीं आती है। दोषी जिसके मन में एक महिला की गरिमा के लिए कोई सम्मान नहीं है और जो 4 साल की बच्ची के साथ भी यौन संबंध रखने की प्रवृत्ति रखता है। हालांकि, इस तथ्य पर विचार करते हुए कि अभियोजक ने बच्ची को जिंदा छोड़ दिया, यह उसकी दयालुता थी। यही वजह है कि यह अदालत मानती है कि मुजरिम के आजीवन कारावास की सजा को कम किया जा सकता है। हालांकि उसे 20 साल कठोरतम कारावास काटनी होगी। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि अपील को आंशिक रूप से स्वीकार किया जाता है। अपीलकर्ता को कानून के अनुसार 20 साल की सजा भुगतनी होगी। उक्त फैसले की आलोचनाओं के बाद अदालत ने 27 अक्टूबर को अपनी चूक मानते हुए कहा कि यह स्पष्ट है कि उपरोक्त गलती अनजाने में हुई है, क्योंकि यह अदालत पहले ही अपीलकर्ता के कृत्य को राक्षसी मान चुकी है।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ छठ महापर्व का समापन

जबलपुर यशभारत। लोक आस्था के इस छठ महापर्व को लेकर उत्साह चरम पर रहा। आज सोमवार की सुबह छठव्रती और श्रद्धालुओं ने उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। हवन के साथ ही चार दिनों तक चलने वाला सूर्योपासना का पर्व संपन्न हो गया। भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए नर्मदा तट के ग्वारीघाट सहित सभी घाटों पर अहले सुबह से ही लोगों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। वहीं, कई घाटों पर रात में भी व्रती रुके रहे।

पूजा की दउरा लेकर घाट-घाट पहुँचे

भगवान सूर्य देव को अर्घ्य देकर छठि मईया की पूजा की गयी। संस्कारधानी के सभी चिन्हित 18 पूजा स्थलों, नर्मदा तटों एवं तालाबों पर सोना सट कुनिया, हो दीनानाथ, कॉच ही बॉस की बहंगिया, बंहगी लचकत जाये छठि मईया के गीतों की धुन से गुंजायमान के बीच संस्कारधानी जबलपुर के महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' नाम के अनुरूप संस्कारों और आस्था के साथ छठि मईया पूजा की दउरा लेकर नर्मदा तटों के अलावा अन्य पूजा स्थलों पर भी पहुँचे। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के द्वारा ग्वारीघाट, उमाघाट, गुलौआताल, मॉनेगॉव अधारताल, हनुमानताल के साथ-साथ अन्य पूजा स्थलों पर पहुँचकर भगवान सूर्य देव और छठि मईया की पूजा में शामिल होकर उनकी अराधना की और संस्कारधानी के समस्त नागरिकों तथा छठि मईया के व्रतधारी और उनके परिवार की खुशहाली, बेटे और पति की लंबी आयु और मनोकामनाओं का पूर्ति के लिए प्रार्थना की। महापौर जगत बहादुर सिंह ''अन्नू'' के द्वारा रातभर छठि मईया के पूजा स्थलों का भ्रमण किया गया और छठि मईया एवं भगवान सूर्य देव से संस्कारधानी की खुशहाली के लिए पूजन अर्चन की गयी। इस अवसर पर महापौर ने उत्तर प्रदेश बिहार महासंघ के सभी पदाधिकारियों के साथ-साथ छठि मईया की पूजा करने वाले सभी व्रतधारियों एवं उनके परिवारजनों को छठि मईया महापर्व की ढेरसारी शुभकामनाएँ दी।

150 वेदी में पूजन कर मनाया छठ महोत्सव

सूर्य उपासना एवँ प्रकृति पूजन के महापर्व छ्ठ पूजा के अवसर पर कंचन युग समिति एवँ संदीप राठौर मित्र मंडल द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कंचनपुर तालाब में कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बड़ी संख्या में माताओं बहिनों युवाओं ने भाग लेकर छ्ठ मैया का पूजन किया। इस अवसर पर संदीप राठौर ने बताया कि जबलपुर में बड़ी संख्या में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लोग निवास करते है जो अपने सबसे प्रमुख त्योहार छठ पूजा को धूमधाम से मनाते है और हर वर्ष कंचनपुर में भी यह आयोजन बड़े रूप में आयोजित किया जाता है जिसमे डूबते सूर्य को अर्ध देकर 150 वेदियों में पूजन किया। कार्यक्रम में साँसद राकेश सिंह ने सभी को छ्ठ पर्व की शुभकामनाएं देते हुए कहा हमारी संस्कृति में ऐसे महत्वपूर्ण पर्व है जिनमे हम सूर्य, चन्द्र के साथ वनस्पति, जीव सभी को पूजते है और यह सिर्फ भारतीय संस्कृति ही है जो जीवन प्रदान करने वाली प्रकृति को पूजता है ऐसा ही पर्व हमारा छठ पूजा है जिसमे हम सूर्य की पूजा करते है। उन्होंने अपनी ओर से सभी को छ्ठ पूजा की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी ने भी छ्ठ पूजा की शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष गुड्डा केवट, भाजपा नेता संदीप राठौर, पूर्व मंडल अध्यक्ष गुल्लू दुबे, डॉ आर यादव, , प्रस्सन उपाध्याय, पियूष महाराज,लल्लन सिंह,राहुल,चंदन, मीलू ठाकुर, किरण गोंटिया, श्रीमति लक्ष्मी कुशवाहा, सोनू श्रीवास्तव, भोला चौधरी,,कमल गुप्ता सहित वार्ड के कार्यकर्ता एवँ क्षेत्रीयजन उपस्थित थे।

पारण के साथ संपन्न हुआ 36 घंटे का निर्जला व्रत

छठी मैया संस्कार महासंघ ने मनाया छठी महोत्सव

श्री छठी मैया संस्कार महासंघ के द्वारा छठी महोत्सव कार्यक्रम महाराजपुर तालाब में बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर शरद अग्रवाल भा जा पा व्यापारी प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक , पारसनाथ यादव, दुलीचंद्र देवानी, दिनेश पटेल,रमेश सोनी, आर पी यादव, बंटी पालीवाल, अखिलेश दीक्षित, राजेंद्र चौधरी, सहित क्षेत्रीय गन उपस्थित थे।

भोर बेला में पहुंचे महापौर ने की छठी मैया की पूजा

सुबह भोर में छठी मइया की पूजा करने घाटों पर पहुंचे महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू नेभगवान सूर्य को अर्घ्य देकर की छठी मैया की पूजा अचैना की। महापौर पूजन अर्चन के साथ हवन भी किया और व्रतधारियों से आशीर्वाद प्राप्त कर छठी मइया का प्रसाद ग्रहण कर सभी के लिए मंगलकामना की। घाटों पर ही महापौर ने प्रसाद ग्रहण करने के पूर्व सभी व्रतधारियों को शरबत पिलाकर उपवास तुड़वाया सभी व्रतधारियों ने महापौर श्री अन्नू को दिया भरपूर आशीर्वादिदया। शनिवार की रात खरना का प्रसाद खाने के बाद से ही व्रती निर्जला उपवास पर थीं। इसके बाद व्रतियों ने अपने घरों पर पारण (व्रत खोलना) किया। रविवार को अस्ताचलगामी (डूबते) सूर्य को अर्घ्य देने के लिए घाटों पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा था। छठ व्रती और उनके परिजनों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया और सुबह के इंतजार के साथ अपने घर लौट गए थे जबकि कुछ व्रती, जिन्होंने मन्नत मांगी थी, उन्होंने घाट पर ही रात बिताई।

घाना में परियट के तट पर मनाया छठ पर्व

खमरिया स्थित ग्राम थाना में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ छठ पूजा मनाया गया जिसमें ग्राम घाना के साथ ही साथ आयुध निर्माणी में काम करने वाले अनेकों कर्मचारियों के परिवार ने परियट नदी के तट पर छठ पूजा का आयोजन किया ।जिसमें सभी लोगों ने पर ही हर्षोल्लास के साथ भगवान भास्कर की उपासना की। इस अवसर पर बड़ी तादाद में ग्राम वासी उपस्थित हुए। ग्राम घाना निवासी अजय यादव धर्मेंद्र पटेल राजकुमार सिंह दिलीप सिंह बेचू पटेल चंद्रप्रकाश पिंटू रमाकांत पटेल बलराम मिश्रा मनीष पटेल विनीत यादव सिद्धार्थ तिवारी अरुण मिश्रा रमेश श्रीवास्तव राजू शुक्ला रंजन गुप्ता डॉक्टर उत्तम आदि ग्राम के सम्मानीय उपस्थित रहे।

केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों ने बिखेरी नागालैंड की छटा

जबलपुर, यशभारत। विविधताओं में एकता का देश, भारत देश है। इसी एकता को प्रदर्शित करते हुए केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा राष्ट्रीय एकता पर्व एक भारत श्रेष्ठ भारत का आयोजन किया गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। केन्द्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर संभाग द्वारा संभाग स्तरीय दो दिवसीय कार्यक्रम केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जी. सी. एफ. में आयोजित किया जा रहा है। 2 कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि ताजुददीन शेक उपायुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर संभाग द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया व सरस्वती वंदना के साथ पूरा मंच गुंजायमान हो गया । रजनीश कुमार सिंघई प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 1 जी. सी. एफ. द्वारा सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि एक भारत श्रेष्ठ भारत एक ऐसा मन्त्र है जो अपने लोगों को मैत्री और एकता के सूत्र में बांधकर आतंरिक शक्ति को और मजबूती प्रदान करता है । श्री अमर नारायण शुक्ला कार्यक्रम संयोजक द्वारा राष्ट्रीय एकता पर्व एक भारत श्रेष्ठ भारत की महत्ता को विस्तारपूर्वक वर्णित किया गया । इस वर्ष जिस संस्कृति, खानपान, व्यवहार, रीति-रिवाज, भाषा, से हम सबको परिचित होना है वह राज्य हैं नागालैंड । रहन-सहन, ताजुददीन शेक उपायुक्त ने अपने वक्तव्य में कहा कि राष्ट्रीय एकता पर्व च्एक भारत श्रेष्ठ भारत, यह मात्र प्रतियोगिता नहीं बल्कि यह विविधताओं का, एकता का तथा छात्रों के प्रतिभा का उत्सव है। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा उद्घाटन समारोह के साथ प्रथम दिन के प्रतियोगिता में समूह गान का आयोजन किया गया , जिसमें संकुल स्तरीय विजेता विद्यालय, संभाग स्तरीय, जबलपुर संभाग की प्रतियोगिता में 12 विद्यालय, तथा 164 प्रतिभागी शामिल हुए । समूह गान में नागालैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए छात्रों ने मनमोहक प्रस्तुति दी। संगीत से पूरा वातावरण संगीतमय हो गया तथा दर्शक मन्त्र मुग्ध हो गए । इस कार्यक्रम में केन्द्रीय विद्यालय संगठन जबलपुर संभाग के उपायुक्त अधिकारी विभिन्न विद्यालय से आए हुए प्राचार्य कार्यस्थल प्राचार्य एवं विद्यालय के शिक्षकों की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

सी . एस . पी . को सौंपा सम्मान पत्र

जबलपुर, यशभारत। सुख दुःख परिवार जबलपुर एवं म .प्र.तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जबलपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक प्रतिनिधि मण्डल ने सी . एस.पी कोतवाली प्रभात शुक्ला से सौजन्य भेंट की । इस अवसर पर गणेशोत्सव , मोहर्रम , दशहरा , ईद - मिलादुन्नबी , दीपावली , आदि पर्वो में क्षेत्र में सुदृढ़ कानून व्यवस्था एवं शांतिपूर्ण वातावरण निर्मित करने की सराहना करते हुए श्री शुक्ला को सम्मान पत्र सौंपते हुए उपस्थित प्रतिनिधि मण्डल द्वारा ऐसी आशा की गई क्षेत्र में इसी प्रकार कानून का राज कायम रहेगा तथा श्री शुक्ला जी के भविष्य में पुलिस महकमें के सर्वोच्च पद पर विराजमान होने की कामना की गई । इस अवसर पर सुख दुःख परिवार जबलपुर एवं म . प्र. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जबलपुर के पदाधिकारी पं . गोविन्द विल्थरे , पं.पवन तिवारी , संजय कपूर , संजय यादव , पं . योगेन्द्र दुबे , पं.रजनीश तिवारी , पं . आशुतोष तिवारी , मनीष विश्वकर्मा , पं . शेखर मिश्रा , मो 0 नसीम जावेद , पं.आलोक अग्निहोत्री , मुकेश सिंह , मंसूर बेग , डी . डी . गुप्ता , पवन श्रीवास्तव , पं . दुर्गेश पाण्डे , पं.ब्रजेश मिश्रा आदि उपस्थित थे ।

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, लौह पुरूष सरदार पटेल का पुण्य स्मरण

जबलपुर, यशभारत। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर सिविक सेंटर स्थित प्रतिमा के समक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं व वरिष्ठजनों द्वारा याद किया गया। साथ ही लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल जयंती पर उनका पुण्य स्मरण किया गया। इस मौके पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू द्वारा देशभक्ति नगमे गाकर दोनों महान विभूतियों को याद किया। भजन कीर्तन, संगोष्ठी के साथ विचार व्यक्त किए गए। इसी दौरान लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती पर उनका स्मरण किया गया।

एड. सत्येन्द्र ज्योतिषी बने राज्यसभा सांसद के प्रतिनिधि

जबलपुर,यशभारत। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एड. सत्येन्द्र ज्योतिषी को राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने जिला पंचायत, जबलपुर के लिए अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इस आशय का पत्र जारी करते हुए सांसद विवेक तन्खा ने जिला कलेक्टर, जबलपुर को पत्र लिखकर प्रेषित किया है कि एड. सत्येन्द्र ज्योतिषी जिला पंचायत में उनके सांसद प्रतिनिधि के रूप में सदन की बैठकों में शामिल होंगे।

नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा 8 नंवबर को

जबलपुर, यशभारत। हरे कृष्णा आश्रम भेड़ाघाट से आगामी 8 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा को संत महात्माओं के नेतृत्व में नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा निकाली जाएगी। सुख दुःख परिवार के पं . पवन तिवारी एवं पं योगेन्द्र दुबे ने बताया की कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर 08 नवम्बर 2022 को प्रातः 8.30 बजे से नर्मदा पंचकोशी परिक्रमा यात्रा संत महात्माओं के सानिध्य में हरे कृष्ण आश्रम भेडाघाट से प्रारंभ होगी । लम्हेटाघाट पर स्वच्छता अभियान के साथ पंचकोशी परिक्रमा पर निकल रहे माँ नर्मदा भक्तों को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो इस हेतु संघ द्वारा नर्मदा भक्त स्वयंसेवकों की 11 टीमों का गठन किया गया है प्रत्येक टीम में 11 मां रेवा भक्त सदस्य शामिल रहेंगे । मां नर्मदा भक्त परिक्रमा में शामिल श्रद्धालू / भक्तजनों को भण्डारा , प्रसाद वितरण , स्वच्छ पेयजल आदि की व्यवस्था देखेंगे । संघ पवन तिवारी , पं.योगेन्द्र दुबे , पं . इन्द्रेश दुबे , पं.दीपक दुबे , मनीष विश्वकर्मा , पं . अक्षय शुक्ला , भोलेशंकर सोनी , राजेन्द्र मिश्रा , विवेक साहू , दीपक सेन , संतोष शर्मा , सौरभ दुबे , अनमोल वाजपेयी , गौरव श्रीवास्तव , शेखर मिश्रा , एड.विवेक अग्रवाल , विकास रजक , हर्ष जैन , आलोक अग्निहोत्री , दुर्गेश पाण्डेय , बृजेश मिश्रा आदि ने मां नर्मदा भक्तों से कार्तिक पूर्णिमा पर होने वाली पंचकोशी नर्मदा परिक्रमा में शामिल हो कर पुण्य लाभ अर्जित करें ।

अमरनाथ की तर्ज पर होंगे भंडारे- परिक्रमा में रास्ते में पुष्पेंद्र सिंह यादव नगर परिषद भेड़ाघाट नरेंद्र अग्रवाल आर यादव पचोरी परिवार वीरेंद्र पटेल रविकांत नेमा सहित 21 बड़े-बड़े भंडारे आश्रम से लेकर लामेटा घाट नाव पार कर सनी मंदिर से लेकर सरस्वती घाट तक होंगे

तुलसी मैया के पौधों का वितरणआज फिर से- बड़े फुहारा स्थित खुन्नेलाल एंड कंपनी आयुर्वेदिक दवाई दुकान में 500 से अधिक तुलसी पौधों का वितरण विगत 2 दिनों में किया गया सयोजक शरद अग्रवाल ने बताया जमुना प्रसाद अग्रवाल एडवोकेट ट्रस्ट के द्वारा शाम 4 बजे से 31 अक्टूबर सोमवार को फिर से किया जायेगा अभी तक 80 हजार से अधिक पौधों का वितरण हो चुका है।

अनंतनाग के बच्चों ने किया जी आर सी का सद्भावना दौरा

वीरता स्तंभ युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर देखा संग्रहालय

जबलपुर यशभारत। दी ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्टल सेन्टर जबलपुर में आर्मी प्राउड स्कॉलर स्कूल, खुन्दु, अनंतनाग, जम्मू और कश्मीर से आपरेशन सद्भावना के तहत दौरे पर आये 35स्कूली बच्चों एवं उनके 3 शिक्षकों द्वारा गत दिवस सी एम एम में युद्ध स्मारक का सद्भावना दौरा किया। इन बच्चों ने ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्टल सेन्टर में वीरता के स्तंभ युद्ध स्मारक पहुंच कर शहीद और वीर योद्धाओं के शौर्य को याद किया और स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की एवं देश के वीर जवानों से जुड़ी यादों के प्रतीक राकेश संग्रहालय का भ्रमण किया। उन्हें भारतीय सेना की सबसे बहादुर ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्ट के शौर्य एवं बलिदान से भी परिचित करवाया गया। इस अवसर पर काश्मीर से आये बच्चों ने अपने क्षेत्रीय सांस्कृतिक नृत्य एवं लोकगीत के रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी ओर से सेन्टर कमाण्डेन्ट ब्रिगेडियर राजीव चावला ग्रेनेडियर्स रेजिमेन्टल सेन्टर को तिरंगा भेंट किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी ओ सी मध्य भारत एरिया, ले0 जनरल गणिक कुमार दास, पी बी एस एम एस एम बी एस एम ने मेहमान बच्चों का मार्गदर्शन एवं हौसला अफजाई की। कार्यक्रम के अंत में मध्य भारत एरिया एवं दी ग्रेडियर्स सेन्टर द्वारा बच्चों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गये।

Roasted Food Junction
न्यू शो रूम
जनता साइकिल के बाजू से बड़ी ओमती चौक, जबलपुर
फ्रुट आयटम उपलब्ध
→रोस्टेट नमकीन →सतू →मूंगफल्ली की लइया →रोस्टेट ड्राई फ्रूड
→वेक्ड टोस्ट →करेला चिप्स →पीनट चिक्की →ड्राईभेल →बिस्केट
→फुल्की →रोस्टेड मूंगफल्ली →सिंधी पापड़ →चने
AK's Special
मनोज संगतानी मो. 9301997304, 7987145201

आपका शैल्बी, आपका हेल्थ पार्टनर
अधिक जानकारी व अपॉइंटमेंट हेतु संपर्क : +91 95758 01200
28 YEARS | SHALBY MULTI-SPECIALTY HOSPITALS
In association with SMJ Trust
शैल्बी हॉस्पिटल्स
प्लाट नं. 5, अहिंसा चौक, विजय नगर, जबलपुर (म.प्र.)
24x7 Emergency & Pharmacy
Emergency No 95758 01020
www.shalby.org

अब नये परिवेश में - दीपावली की शुभकामनाएं
आफिस, शोरुम, निवास की सजावट के लिए पर्दा क्लाथ की नई रेंज, गृह शोभा के आइटम
न्यू लक्ष्मी एपोरियम
फ्लोरिंग एंड फर्नीशिंग, पर्दा एवं सोफा क्लाथ, वाल पेपर मिंक कंबल, मैरिज सेट टॉवल, रजाईयां।
दैनिक भास्कर के सामने
3 /15 सिविक सेंटर मढ़ाताल जबलपुर
फोन- 0761-2481262, 362
एक बार अवश्य पधारें

लक्ष्मी एम्पोरियम के 38वें वर्ष में प्रवेश
दीपावली की शुभकामनाएं , खरीदी हेतु आमंत्रित
लक्ष्मी एपोरियम
लेडीज-जेंट्स शाल स्टाल,
कश्मीरी सेमी पेशमीना, जमावार फैंसी
रंग डिजाइन, मिंक कम्बल,
रजाईयां, मैरिज सैट टॉवल, बेडकवर,
मछरहाई (दुर्गा मंदिर के सामने) 905 जवाहरगंज जबलपुर
फोन- 2481229, 2481944
एक बार अवश्य पधारें

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आशीष शुक्ला द्वारा जनपक्ष प्रिंटिंग एवं पब्लिशिंग, गोपालबाग जबलपुर-2 से मुद्रित एवं 160/जी, जेडीए योजना क्रमांक 11 सेकेण्ड फेस, शताब्दीपुरम, विवेकानंद वार्ड, जबलपुर से प्रकाशित। सम्पादक श्याम कटारे*। फोन (0761) 2643333, 2646666, फैक्स : 4084085
डाक पंजीयन क्रं. एसएसपी/ जबलपुर/26/2022-24 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार। RNI No. MPHIN/2007/18675. email - jabalpur@yashbharat.com (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार जबलपुर)

मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी

एक माह के बाद भी जारी नहीं हुए ईसी बैठक के मिनिट्स

अफसरों का तर्क दूसरी बैठक में अंतिम निर्णय के बाद जारी होते मिनिट्स

जबलपुर, यशभारत। मेडिकल साइंस यूनिवर्सिटी में ईसी बैठक को एक माह होने को है लेकिन उसके मिनिट्स अभी तक जारी नहीं किए गए हैं। इसके पीछे तरह-तरह के तर्क अधिकारियों द्वारा दिए जा रहे हैं। हालांकि सच्चाई ये है कि मिनिट्स जारी नहीं होने के पीछे कापी गीली मामला है, क्योंकि ईसी मेम्बरों ने प्रकरण की जांच के लिए कमेटी का प्रस्ताव तैयार किया है लेकिन उसमें अंतिम मुहर अभी तक नहीं लगी है। इधर विवि अधिकारियों का कहना है कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि बैठक के कुछ समय बाद मिनिट्स जारी किए जाए। मिनिट्स उस वक्त जारी होते है जब दूसरी बैठक आहूत होती है।

देखा जाता है कि पिछली बैठक में हुए निर्णय कितने सही है की नहीं इसके बाद ही मिनिट्स जारी किए जाते हैं। विवि को मिनिट्स जारी करने में किसी भी तरह की आपत्ति नहीं है, आगामी बैठक के समय पिछली बैठक के मिनिटस जारी कर दिए जाएंगे।

ऐसा कोई नियम नहीं मिनिट्स जारी होने के : कुलसचिव श्री बघेल

विवि कुलसचिव डॉ. पुष्पराज बघेल ने बताया कि ईसी बैठक के मिनिट्स जारी करने के कोई नियम नहीं है। यह मिनिट्स उस वक्त जारी होते हैं जब दूसरी बैठक आयोजित होती है। बैठक के वक्त

ईसी सदस्यों को गुमराह कर रहे यूनिवर्सिटी के अधिकारी- अभिषेक पांडे

छात्र नेता अभिषेक पांडे ने आरोप लगाते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में सामान्य प्रक्रिया में मीटिंग के मिनिट्स को वेवसाइट में अपलोड कर यह सुनिश्चहित कराया जाता है कि विश्वविद्यालय की बैठक में लिए निर्णय छात्र विरोधी या विश्वविद्यालय के विरोधमें तो नही है उसके बाद आगामी बेठक में पूर्व बेठक के मिनिट्स रख कर पुष्टि कराई जाती है ओर क्रियान्वयन किया जाता मगर विश्वविद्यालय के ज़िम्मेदार। अधिकारी वरिष्ट अधिकारियों कार्यपरिषद सदस्यों ओर समाज को गुमराह कर सिर्फ़ स्वाहित के निर्णय कराकर उनको बिना पुष्टि कराए क्रियान्वयन कर देते हे। इसका जीता जागता उदाहरण दिनांक 5/09/22 को हुई बेठक हे जिसमें एक भी महाविद्यालय की संबद्धताका प्रकरण ना रखकर सिर्फ़ कुछ स्वाहित के मुद्दे रखे ओर रजिस्टार की गेर मोजूदगी में बेठक कराई विश्वविद्यालय सिर्फ ओर सिर्फ़ भ्रष्टाचार का अड्डा बना हुआ है।

खमरिया में बिजली के खंबे से टकरा गई कार

माँ की दर्दनाक मौत, बेटा घायल

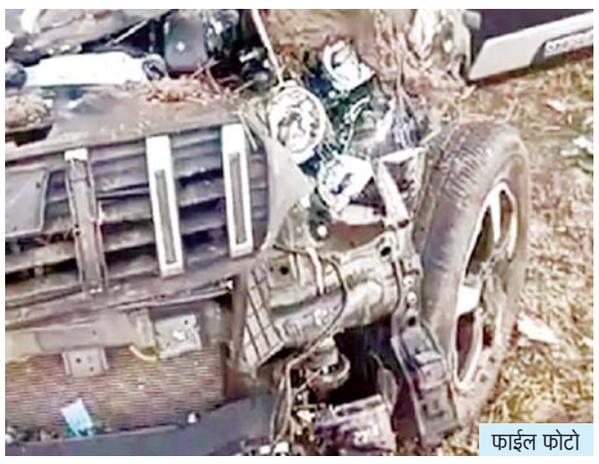

फाईल फोटो

जबलपुर, यशभारत। खमरिया के एन टाईप चौराहा के पास देर रात बेकाबू कार बिजली के पोल से टकरा गयी। हादसे के दौरान कार बेटा चला रहा था और साथ में ही माँ बैठी थी। दुर्घटना में बेटे को मामूली चोटे आईं, वहीं गंभीर हालत में मां को खमरिया के अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां चिकित्सकों ने परीक्षण के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर, मामला जांच में लिया है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि श्रीमति सरोज साहू पति स्व. रूपचंद साहू 50 वर्ष निवासी ग्राम वीरनेर थाना खमरिया अपने बेटे निखिल साहू के साथ कार से शहर लौट रह थीं । गाड़ी निखिल चला रहा था एन टाईप चौराहा के पास बिजली के पोल से कार टकरा गयी। जिसमें दोनों घायल हो गए। गंभीर हालत में श्रीमती सरोज साहू को खमरिया अस्पताल लाया गया था , लेकिन तब तक वह दम तोड़ चुकी थीं।

कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी ने कहा

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दें

समीक्षा बैठक में दी हिदायत

जबलपुर, यशभारत। समय सीमा प्रकरणों की आज सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने सभी विभागों के जिला अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की हिदायत दी है । उन्होंने कहा है कि अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों की दिन-प्रतिदिन मॉनिटरिंग करनी होगी साथ ही सप्ताह में कम से कम दो दिन इन शिकायतों के निराकरण के लिये निधार्रित करने होंगे । कलेक्टर ने बैठक में सी एम हेल्पलाइन से प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण की विभागवार समीक्षा की । उन्होंने मूंग और उड़द के किसानों की भुगतान से सबंधित शिकायतों का तत्परता से निराकरण करने की हिदायत सबंधित अधिकारियों को दी । कलेक्टर ने कहा कि इस बारे में जल्दी ही अलग से बैठक बुलाई जायेगी एयर भुगतान से सबंधित शिकायतों के निराकरण में हो रहे बिलंब का कारण जानेंगे । कलेक्टर ने खराब ट्रांसफार्मर बदलने की शिकायतों पर भी तत्काल कार्यवाही करने के निदेर्श विद्युत वितरण कम्पनी के अधिकारियों को दिये । उन्होंने कहा कि खराब ट्रांसफार्मर एक सप्ताह के भीतर बदल दिये जायें । डॉ इलैयाराजा टी ने कहा कि ट्रांसफार्मर बदलने की शिकायतों की भी जल्दी ही अलग से समीक्षा करेंगे । कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने में मुख्यमंत्री जन सेवा योजना में प्राप्त आवेदन तथा उन पर दर्ज की गई कार्यवाही की जानकारी ली । उन्होंने कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित कर लें कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रह पाये । कलेक्टर ने मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर एक नवम्बर से प्रारम्भ होने वाली सप्ताह भर की गतिविधियों की तैयारियों की समीक्षा भी की । बैठक में जिला पंचायत की सीईओ डॉ सलोनी सिडाना, अपर कलेक्टर शेर सिंह मीणा एवं सुश्री विमलेश सिंह भी मौजूद थे ।

पुलिस ने मार्च पास्ट कर दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश : कलेक्टर, एसपी ने दिलाई शपथ

जबलपुर, यशभारत। आज 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कलेक्टर डॉक्टर इलैयाराजा टी और एसपी सिद्धार्थ बहुगुणा ने सभी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर एसपी ऑफिस से कंट्रोल रुम तक मार्च पास्ट निकालकर राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया गया। जिसने भी मार्च मास्ट करते जवानों को देखा तो वहीं ठिठक गए। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय एकता के पुरोधा लौह पुरूष स्व. श्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा अधिकारियों/कर्मचारियों को दिलाई गयी राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ तथा हरी झण्डी दिखाकर एकता एवं अखण्डता का संदेश देने हेतु मार्च पास्ट रवाना किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय जबलपुर में प्रातः 11 बजे पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ बहुगुणा द्वारा सभी को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता की शपथ दिलाई गयी । जिसके बाद पुलिस अधीक्षक द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप कुमार शेण्डे, उप पुलिस अधीक्षक पंकज परमार, उप पुलिस अधीक्षक गढ़ा तुषार सिंह, रक्षित निरीक्षक सौरभ तिवारी, सूबेदार अश्वनी पटेल की उपस्थिति में हरी झण्डी दिखाकर मार्चपास्ट को रवाना किया गया। मार्चपास्ट में समस्त थाना प्रभारी शहर तथा जिला बल के लगभग 150 अधिकारी,कर्मचारी उपस्थित रहे। मार्चपास्ट पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रवाना होकर मालगोदाम, हाईकोर्ट चौक, घंटाघर होते हुये राष्ट्रीय एकता एवं अखण्डता का संदेश देते हुये पुलिस कन्ट्रोल रूम जबलपुर में समाप्त हुआ । वहीं इसके पूव सुबह 8 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय से रन फॉर यूनिटी मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसे पुलिस अधीक्षक सिध्दार्थ बहुगुणा द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शिवेश सिंह बघेल की उपस्थिति में झण्ड़ी दिखाकर रवाना किया गया। तो वहीं, कलेक्टर कार्यालय के सभी अधिकारियों- कर्मचारियों ने देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ ली । अधिकारियों-कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाये रखने की शपथ कलेक्टर डॉ इलैयाराजा टी ने दिलाई । इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ डॉ सलोनी सिडाना, अपर कलेक्टर शेर सिंह मीणा एवं सुश्री विमलेश सिंह तथा कलेक्ट्रेट स्थित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे । देश के पूर्व गृह मंत्री लौह पुरुष स्व.सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म दिवस राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है ।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर मार्च पास्ट कर दिलाई शपथ

सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता दिवस*का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम पुलिस की टुकड़ियों ने मार्च पास्ट किया, और शपथ दिलाई गई, सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी पर उप पुलिस अधीक्षक जीआरपी कटनी लोकेश मार्को के द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के संबंध में बताया गया तथा रन फॉर यूनिटी एकता दौड़ का भी आयोजन किया गया, इस दौड़ में अधिकारियों, कर्मचारियों ने भाग लिया, दौड़ में प्रथम द्वितीय और तृतीय स्थान आने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक से प्रशंसा पत्र दिलाए जाएंगे। संपूर्ण कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक रेल जबलपुर आरके गौतम उपस्थित रहे एवं कार्यक्रम का सफल संचालन जीआरपी थाना प्रभारी रेल जबलपुर सुनील नेमा के द्वारा किया गया।

आॅटो रिक्शा ने स्कूटी सवार छात्रों को मारी टक्कर, दोनों गंभीर रुप से घायल

जबलपुर, यशभारत। कटंगी रोड अग्रवाल पेट्रोल पंप के सामने आज सोमवार को सुबह एक बेकाबू ऑटो रिक्शा चालक ने स्कूटी में सवार दो छात्रों को सीधी टक्कर मार दी। हादसे में दोनों स्कूली बच्चे बुरी तरह घायल हो गए। सूत्रों ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि स्कूटी में दो छात्र सवार होकर स्कूल जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार ऑटो चालक ने टक्कर मार दी। दोनों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

गुरंदी में धूं-धूंकर जली फाइबर की दुकान

जबलपुर, यशभारत। गुरंदी बाजार में देर रात एक फाइबर की दुकान में आग लग गयी। जिसके बाद धुंए के उठे गुबार को देखकर लोग सकते में आ गये। मौके पर तत्काल नगर निगम के दमकल विभाग को सूचना दी गई। जिसके बाद कड़ी मशक्कत के चलते आग पर काबू पा लिया गया। हादसे में लाखों के नुकसान का अनुमान है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। फायर फाइटर तुषार ने मौके से जानकारी देते हुए बताया कि देर रात सूचना मिली कि गुरंदी बाजार स्थित ताहिर अली की फाइबर की दुकान में आग लग गयी। जिसके बाद तत्काल पहुंचकर आग पर काबू पा लिया गया। आग किन कारणों से लगी फिलहाल यह जांच का विषय है। लेकिन बताया जा रहा है कि अग्नि हादसे में दुकानदार का लाखों का माल जलकर खाक हो गया।

सोने-चांदी के जेवरात और नगदी कर दी पार

जबलपुर, यशभारत। गढ़ा के सूपाताल में सब्जी दुकानदार के सूने मकान के मेन गेट का कुंदा तोड़कर शातिर चोरों ने सोने के जेवरात और दस हजार रुपये की नगदी पार कर दी। जिस वक्त यह घटना हुई पीड़ित अपनी ससुराल गया हुआ था। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि गरीबदास बैरागी 38 वर्ष निवासी सूपाताल ने बताया कि वह सब्जी का ठेला लगाता है और ताला लगाकर परिवार सहित ससुराल पाटन चला गया था। लौटकर आया तो देखा कि मेन दरवाजे का कुंदा टूटा था। मकान के अंदर जाकर देखा तो सामान बिखरा पड़ा था और अलमारी से सोने का पेण्डल, 2 चूड़ी, 2 सोने की गुरिया, तथा स्टील के डिब्बे में नगद 10 हजार रूपये गायब थे।

गोराबाजार विसर्जन कुंड में लाश मिलने से हड़कंप

जबलपुर, यशभारत। गोराबाजार के विसर्जन कुंड में एक शव मिलने से हड़कंप मच गया। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरु कर दी है। प्रारंभिक पूछताछ में परिजनों ने बताया कि वृद्ध विक्टोरिया में इलाजरत था। जिसे घर लेकर लोटे और दूसरे दिन देर रात वृद्ध घर से गायब हो गया था। पुलिस मामले की बारीकी से पड़ताल कर रही है। जानकारी अनुसार पुलिस ने बताया कि दुख्खी भूमिया 19 वर्ष निवासी भटा चंडी मोहल्ला ने बताया कि पिता तुलाराम भूमिया 60 वर्ष का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है जिन्हें विक्टोरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था जो रात में उठकर कहीं चले गये थे । जिसके बाद प्राईमरी स्कूल के पीछे नाले के किनारे जवारे कुंड में उसके पिता मृत अवस्था में मिले।

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में विवाद

आईएमए अध्यक्ष ने कहा जिनके पैर छूता था उनने अभद्रता की, पहले से प्लानिंग कर आए थे ग्वालियर के डॉक्टर

जबलपुर, यशभारत। जबलपुर में आयोजित हुई इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की वार्षिक बैठक में हुए विवाद के बाद आईएमए के प्रदेश सचिव और जबलपुर अध्यक्ष डॉ. अमरेंद्र पाण्डे ने कहा कि जबलपुर से आईएमए हेड क्वाटर ग्वालियर ले जाने के लिए इस तरह का कृत्य किया गया है। उन डॉक्टरों ने मेरे साथ अभद्रता की जिनके मैं पैर छूता था, ग्वालियर के डॉक्टर विवाद करने के उद्देश्य से ही बैठक में पहुंचे थे। मैंने सिर्फ बचाव किया किसी के साथ कोई अभद्रता नहीं की। डॉक्टर पांडे ने बताया कि डॉ. राकेश पाठक को एसोसिएशन का प्रदेश अध्यक्ष एक साल पहले बना दिया गया था। यहां उनका सम्मान किया जा रहा था। इसी दौरान अचानक इंदौर-ग्वालियर के कुछ डॉक्टर आईएमए का हेड क्वार्टर इंदौर या ग्वालियर में शिफ्ट करने की मांग करते हुए हंगामा करने लगे। मैंने हंगामे का विरोध किया तो वे लोग मंच पर आ गए। बदसलूकी करते हुए मेरे साथ हाथापाई की। मैंने तो बस अपना बचाव किया। डॉ. पांडे ने बताया कि मारपीट करने वाले इंदौर और ग्वालियर के डॉक्टरों ने ही वीडियो वायरल किया है। जीवाजी मेडिकल कॉलेज के सर्जरी विभाग में पदस्थ डॉक्टर सुनील अग्रवाल और डॉक्टर एएस भल्ला ने साथियों के साथ मारपीट की है। उन्होंने आगे कहा, ग्वालियर और इंदौर से आए डॉक्टरों का रवैया डॉक्टर जगत को शर्मशार करने वाला है।

धर्म युद्ध लड़ा मैंने- श्री पांडे

डॉक्टर अमरेंद्र पांडे ने बताया कि कल जो घटनाएं हुई उसका एक मात्र कारण आईएमए हेडक्वाटर को ग्वालियर ले जाने की बात होना था। दरसअल ग्वालियर के डॉक्टर आईएमए को ले जाना चाहते हैं और इसी को लेकर विवाद किया। मैं तो धर्मयुद्ध लड़ रहा हूं, जबलपुर के साथ पक्षपात नहीं होने दूंगा। वैसे भी जबलपुर के पास हाईकोर्ट के अलावा बचा क्या है इसलिए आईएमए जबलपुर में रहे इसका हमेशा प्रयास रहेगा।

ऊर्जा संरक्षण व मतदाता जागरूकता पर एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

जबलपुर, यशभारत। स्थानीय श्रीजानकीरमण महाविद्यालय में ऊर्जा संरक्षण एवं मतदाता जागरूकता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग जबलपुर संभाग प्रो. लीला भलावी जी ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए ऊर्जा संरक्षण अत्यंत आवश्यक है तथा जितनी उतनी ही ऊर्जा का उपयोग हमें दैनिक जीवन में करना चाहिए ऊर्जा की बचत ही ऊर्जा का उत्पादन है साथ ही मतदाता जागरूकता पर जोर देते हुए सभी से मतदाता पत्र बनाने का आग्रह किया इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी ने कहा कहा कि वरिष्ठ जनों के आगमन से हमेशा कुछ नया सीखने को मिलता है प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए ऊर्जा संरक्षण को अत्यंत आवश्यक बताया इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ क्रीड़ा अधिकारी शक्ति सिंह मंडलोई संस्कृत विभागाध्यक्ष डॉ. गंगाधर त्रिपाठी ने भी अपने विचार व्यक्त किए कार्यक्रम के अंत में ऊर्जा संरक्षण एवं मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई गई। । संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ आनंद सिंह राणा, विभागाध्यरक्ष, इतिहास एवं आभार श्रीमती अनामिका सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. अंजली शुक्ला श्री प्रशांत पाठक, तरुण मिश्रा, श्रीमती अनामिका सिंह, श्रीमती राधा झारिया, श्रीमती नीना चौबे, श्री मीनाक्षी लोधी, मुकेश श्रीवास्तव, मनोज चौरसिया, हेमंत सोंधिया, प्रियंका यादव, काजल मानेक, डेनियल पटेल, राखी बाजपेई, संजय पांडे, गोपाल रैकवार, भूपेंद्र अहिरवार के साथ बडी संख्याा में छात्र-छात्राओं की उपस्थित थी।

गुरुनानक जयंती पर निकला भव्य और बहुरंगी छटा बिखेरता विशाल नगर कीर्तन

जबलपुर यशभारत। जगत गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के पवित्र प्रकाशोत्सव महापर्व के उपलक्ष में पंज प्यारों के नेतृत्व एवं समस्त गुरुद्वारों के प्रधानगणों की अगुवाई में आज गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार गोरखपुर से भव्य विशाल और विविध रंगों से भरपूर नगर कीर्तन निकाला गया जोकि गोरखपुर बाजार शास्त्री पुल पुराना मोटर स्टैंड आदि का भ्रमण करता हुआ गुरु नानक स्थली गुरुद्वारा महाकाल में संपन्न हुआ। पुष्प सज्जित ट्रक पर आस्था के केंद्र श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश किया गया था इनके समक्ष हाथों में कृपाण धारण किए पीत वस्त्र धारी पंज प्यारे साहिबान पैदल ही पथ गमन कर रहे थे श्रद्धालु गण प्रसाद चढ़ाने के साथ-साथ पंज प्यारों का पुष्प हारों और मिष्ठान के थालों पूजन अर्चन कर रहे थे। नगर कीर्तन की समाप्ति के अवसर पर मालवीय चौक स्थित गुरुद्वारा मढाताल में श्रद्धालुओं द्वारा मुक्त आकाश से पुष्प वर्षा की गई।

संपादकीय

बीसीसीआई का फैसला

भारतीय महिला क्रिकेटर्स के लिए बीते 27 अक्टूबर का दिन बेहद खास रहा है.भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने उन्हें दिवाली के बाद स्पेशल गिफ्ट दिया है। क्रिकेट बोर्ड ने एक नई पॉलिसी लागू करते हुए अब मैच फीस के तौर पर महिला और पुरुष के बीच के भाव को ही खत्म कर दिया है.यह महिला सशक्तिकरण की उठाया गया सराहनीय कदम है। इस तरह हम महिला क्रिकेट के नये दौर में प्रवेश कर गये हैं। पहले महिलाओं को औसतन प्रतिदिन मैच फीस पुरुषों के मुकाबले तीन गुना कम मिला करती थी. बीसीसीआई ने अब एक वेतन इक्विटी पॉलिसी लागू की है, जिसके तहत महिला क्रिकेटर्स को भी पुरुषों के बराबर मैच फीस मिलेगी। बहरहाल खेलों में लैंगिक समानता की दिशा में उठाया गया बीसीसीआई का यह कदम स्वागत योग्य है। इससे पहले बीसीसीआई ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि आईपीएल की तर्ज पर ही अब महिला इंडियन प्रीमियर लीग का आयोजन किया जायेगा। लगता है राष्ट्रमंडल खेलों में महिला क्रिकेट टीम द्वारा रजत पदक जीतने तथा पिछले दिनों महिला एशिया कप जीतने के बाद बीसीसीआई ने स्वीकार किया कि भारत की बेटियां अब दुनिया के क्रिकेट में दमखम दिखाने लगी हैं। इस फैसले से महिला क्रिकेटर्स की कमाई में कितना अंतर आएगा? यदि औसतन तुलना की जाए तो अब तक सीनियर महिला क्रिकेटर्स को घरेलू क्रिकेट में प्रतिदिन मैच के लिए 20 हजार रुपये फीस मिलती थी. यह किसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेटर के लगभग बराबर ही थी. जबकि सीनियर पुरुष खिलाड़ी प्रतिदिन मैच फीस के तौर पर औसतन 60 हजार रुपए कमाई करते हैं. ऐसे में महिला और पुरुषों के .के बीच यह तीन गुना का बड़ा अंतर था. मगर अब यह भेदभाव भी दूर हो जाएगा. जबकि 2022 से पहले महिला क्रिकेटरों को मैच फीस के तहत सिर्फ 12,500 रुपये दिए जाते... यहां गौर करने वाली बात है कि बीसीसीआई ने जो नई पॉलिसी लागू की है, वह सिर्फ मैच फीस को लेकर है. सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट को लेकर नहीं है. यानी सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में अब भी महिला और पुरुषों के बीच काफी बड़ा अंतर है. जहां पुरुषों के लिए चार कैटेगरी है, तो वहीं महिलाओं के लिए सिर्फ तीन ही कैटेगरी... तीन ही कैटेगरी निर्धारित हैं.पुरुष क्रिकेटर्स को ए कैटेगरी में 5 करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं. जबकि महिलाओं में ए कैटेगरी वाली खिलाड़ियों को सिर्फ ... 50 लाख रुपये ही मिलते हैं. यानी यहां 10 गुना का अंतर है. इसी तरह बी और सी कैटेगरी में भी इतना ही अंतर है. जबकि ए+ कैटेगरी वाले पुरुष खिलाड़ियों को करोड़ रुपये सालाना मिलते हैं । बीसीसीआई के फैसले के बाद अब महिला क्रिकेटरों को पुरुष क्रिकेटरों के समान ही प्रति टेस्ट मैच 15 लाख रुपये, अंतर्राष्ट्रीय वन डे के लिये छह लाख रुपये और टी-20 के लिये तीन लाख रुपये मिलेंगे। उल्लेखनीय है कि समान वेतन की यह नीति उन्हीं खिलाड़ियों पर लागू होगी, जिनके साथ बीसीसीआई अनुबंध करता है। लेकिन अभी बीसीसीआई के साथ अनुबंधित खिलाड़ियों को मिलने वाली अनुबंधित राशि में पुरुष खिलाड़ियों के मुकाबले काफी अंतर है। जिसके समान होने में अभी काफी वक्त लगने वाला है। इसकी एक वजह यह भी है कि बाजार ने अभी महिला क्रिकेटर पर कम ही पैसा लगाया है। उम्मीद है कि महिला क्रिकेट जब कमाऊ हो जायेगा तो केंद्रीय अनुबंध में भी इजाफा होगा। दरअसल, दिक्कत यह है कि पुरुष क्रिकेट के मुकाबले अभी महिला क्रिकेट के अंतर्राष्ट्रीय मुकाबले कम ही होते हैं। पुरुष क्रिकेटरों को ज्यादा स्पॉन्सर्स मिलते हैं, जिससे उनकी ब्रांड वैल्यू बढ़ जाती है। इसके बावजूद पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट ने खूब तरक्की की है। उसके खिलाड़ी अब पहचान बनाने लगे हैं। उनकी फैन फोलोइंग बढ़ रही है। मैदान पर दर्शक भी जुटने लगे हैं। ऐसे में जब महिला क्रिकेट स्वीकार्यता बढ़ाने लगेगी तो निश्चित रूप से वह केंद्रीय अनुबंध में पुरुष क्रिकेटरों जितनी राशि हासिल कर सकेगी।

एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया

बचपन में हममें से बहुतों ने चिड़िया उड़ का खेल खूब खेला है। इस चक्कर में चिड़िया भले ही न उड़ी हो लेकिन हाथी को जरूर उड़ा दिया। बड़ा मजेदार खेल था। लगभग इसी तर्ज पर मालिकाना हक बदलते ही ट्वीटर की चिड़िया के पर आसमान को छूने लगे हैं। दुनिया के सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया मंच ट्वीटर को पूरी स्वतंत्रता देने का दंभ भरने वाले ट्वीटर के नए मालिक एलन मस्क का ऐक्शन कितना कामियाब होगा कहना जल्दबाजी होगी। फिलाहाल नए मालिक के आते हजारों नौकरियों पर खतरा मंडरा रहा है वहीं चिड़िया की आजादी की दुहाई बेमानी लगती है। जहां वो इंसानियत की मदद करने की बात कहते हैं वहीं दूसरी ओर ऐसे सार्वजनिक मंच की बात भी करते हैं जो मानव सभ्यता के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र हो। उनकी सोच को लेकर भले ही विश्व से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं आएं लेकिन भारत में काफी मायूसी जरूर होगी, होनी भी चाहिए। ये तो आने वाला वक्त बताएगा कि वो किस तरह से ट्वीटर के जरिए स्वतंत्रता की रक्षा कर पाते हैं। बहरहाल तमाम पेचीदगियों, कानूनी लड़ाई और बहुत मंहगी डील के बाद अब एलन मस्क बतौर मालिक अपना रौब दिखा रहे हैं।

ट्वीटर अमेरिका में ही पहले से खेमेबाजी में बंटा हुआ है। वहां के दक्षिणपंथी आरोप लगाते रहे हैं कि उनकी आवाज दबायी जाती रही। सबने देखा कि जनवरी 2021 में जिस तरह पूर्व अमेरिकी राष्टपति डोनॉल्ड ट्रम्प के ट्वीटर एकाउण्ट को हिंसा करने वाले उनके समर्थकों को क्रांतिकारी बताने तथा एक अन्य ट्वीट में बाइडेन के शपथ ग्रहण में नहीं जाने के ट्वीट पर कड़ा फैसला ले पहले लॉक किया फिर स्थायी रूप से बन्द कर दिया। ट्वीटर को लाभ के हिसाब से ट्रम्प बेहद फायदेमन्द थे और करीब 9 करोड़ फॉलोअर भी थे। 14 महीने बाद मई 2022 में एलन मस्क के एक बयान ने सबका ध्यान खींचा जिसमें कहा गया कि वो पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ट्विटर अकाउंट के प्रतिबंध को हटाएंगे। उन्होंने ट्रंप के ट्विटर खाते बैन के फैसला नैतिक रूप से गलत बताया था। लेकिन जैसे ही मस्क के ट्वीटर को टेकओवर करने की बातें उजागर हुई तो ट्रम्प की बधाई और उनके एकाउणाट को रिस्टोर करने के बयान ने भविष्य का रास्ता दिखाने का काम किया जिसमें साफ किया गया कि जो बातें हो रही हैं वो फर्जी है तथा डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से एलन मस्क के ट्विटर को टेकओवर करने को लेकर कोई भी बयान जारी नहीं किया गया है। फैलाया जा रहा बयान फर्जी है।

27 अक्टूबर की जैसे ही ट्वीटर खरीदी समझौता पूरा होते ही एलन मस्क ने सबसे पहले इसके भारतीय मूल के सीईओ पराग अग्रवाल को बाहर कर दिया जो कि अभी साल भर भी कंपनी में नहीं रह पाए थे। वो बीते साल नवंबर में आए थे। सुना तो यहां तक जा रहा है कि ट्विटर के चीफ फाइनेंसियल नेड सीगल और भारतीय मूल के जनरल काउंसल विजया गाड़े को भी बर्खास्त कर दिया है। इसके पीछे चंद महीनों चली कानूनी जंग और मुकदमे बाजी भी है क्योंकि एलन मस्क जून में ट्वीटर पर स्पैम बॉट्स और फर्जी खातों की जानकारी छिपाने और विलय समझौते का उल्लंघन करने के गंभीर आरोप लगा डील से बाहर हो गए थे।

पूरा माजरा जानने के लिए ट्वीटर सौदे की प्रक्रिया को थोड़ा जानना होगा। इसी साल 4 अप्रेल को मस्क ने कहा था कि उनके पास ट्वीटर के 9 प्रतिशत शेयर हैं इसलिए

वो सबसे बड़े शेयर होल्डर हैं। जब ट्वीटर ने बोर्ड ऑफ डायरेक्टर में शामिल होने का न्यौता दिया गया तो उन्होंने 9 अप्रेल को ठुकरा दिया। 13 अप्रेल को मस्क ने ट्वीटर के 54.2 प्रति शेयर खरीदने का पहला और अंतिम न्यौता दिया जो करीब 40 बिलियन डॉलर था। ट्वीटर इसे मान गया। लेकिन 13 मई को एलन मस्क ने डील यह कह रोक दी कि ट्वीटर में बहुत से फर्जी एकाउण्ट्स हैं और रोबोट्स भी फर्जी एकाउण्ट्स चलाते हैं। यह पूरी जानकारी उन्हें डील फाइनल होने से पहले दी जाए। जानकारी पराग अग्रवाल ने ट्वीटर पर ही एक लंबा थ्रेड जारी कर प्रदान करत हुए देते हुए सफाई भी दी कि फर्जी खातों को कम करने की दिशा में काम जारी है। पराग के जवाब का उन्होंने एक इमोजी के साथ मजाक उड़ाया और 8 जुलाई को जवाब दिया कि वो आगे इस डील को पूरी नहीं करेंगे क्योंकि उन्हें गलत व आधी-अधूरी जानकारी देकर गुमराह किया गया है। दोनों के मतभेदों की बातें कई बार सार्वजनिक हुईं। ट्वीटर पर ही कई तरह के तर्क-वितर्क और आपसी नोंकझोंक भी सामने आई जो ट्वीटर पर ही खूब ट्रोल भी हुईं। तभी से यह लगने लगा था कि आते ही वो सबसे पहले पराग को ही बाहर का रास्ता दिखाएंगे जो कर दिया। 12 जुलाई को ट्वीटर ने अमेरिका के डेलावेयर कोर्ट में डील तोड़ने का मुकदमा दायर कर दिया था। इसके जवाब ने एलन मस्क ने 29 जुलाई 2022 को एक प्रतिदावा प्रस्तुत किया जिसमें ट्वीटर पर गलत जानकारी देने के तमाम प्रमाण प्रस्तुत किए। इसी बीच 13 सितंबर को 40 बिलियन की डील को शेयर होल्डर्स ने स्वीकरा जिसके बाद 3 अक्टूबर को मस्क ने पुरानी बातों को दरकिनार ट्वीटर खरीदने की बात साफ की और कोर्ट ने भी मान लिया। 26 अक्टूबर को हाथ में चसिंकज लेकर ट्विटर के मुख्यालय पहुंचे थे जिसका वीडियो भी जारी किया और अपना ट्विटर-बायो भी बदल कर चीफ ट्वीट कर लिया। इस तरह 27 अक्टूबर को 44 बिलियन डॉलर का यह सौदा पूरा होते ही ट्वीटर की चिड़िया अपने नए मालिक एलन मस्क के हाथों में पहुंच गई।

अब विश्व पटल पर इस सबसे सशक्त सोशल मीडिया माध्यम को लेकर तमाम सवाल उठ रहे हैं जो वाजिब भी हैं। ट्वीटर में आगे किस-किस तरह के और कितने बदलाव होंगे? इस बारे में मस्क की एक चिट्ठी बेहद महत्वपूर्ण है जो उन्होंने अपने सारे विज्ञापन दाताओं और प्रदाताओं को लिख एक तरह से अपनी रणनीति, भूमिका व भविष्य का इशारा भी कर दिया। इसमें कहा गया है कि उनका वाद-विवाद का एक सामान्य टाउन स्क्वायर बनाने की उनकी मंशा है ताकि वाम व दक्षिण की जो धड़ेबाजी दिखती है जो नफरत फैला, लोगों को बांटने का काम करती है रोकेंगे ताकि किसी ध्रुवीकरण का हथियार ट्वीटर न बने। ट्वीटर को न्यूट्रल यानी गुटनिरपेक्ष माध्यम बनाएंगे। मस्क का साफ तौर कहना कि सोशल मीडिया से नफरत और बंटवारे का एक बड़ा खतरा होता जिसे वो बदलेंगे। उन्होंने दूसरे पारंपरिक सोशल मीडिया मंच पर भी उंगली उठाते हुए कहा कि यहां पर किसी एक पक्ष को ही महत्व मिलता है लेकिन वो ट्वीटर के साथ ऐसा नहीं करेंगे और पूरी तरह से निष्पक्ष रखेंगे। वो एक स्वस्थ व निष्पक्ष संवाद के पक्षधर हैं जो अब सोशल मीडिया पर कम हो गया है। ट्वीटर को खरीदने का अहम मकसद बताते हुए एलन मस्क यह बड़ी बात भी कहते हैं कि वो मानवता से बेहद प्यार करते हैं और इसे मदद करना चाहते हैं इसलिए ट्वीटर को लिया है। ट्वीटर पर नफरती बातों और जहर उगलने की हरकतों को बिल्कुल नहीं होने दिया जाएगा। दूसरी तरफ कहते हैं कि ट्वीटर पूरी तरह से आजाद नहीं होगा प्रतिबंधों के साथ चलेगा ताकि गलत अफवाहों का फैलाव न कर गर्मजोशी से भरा हो और सबका स्वागत करे।

एलेन मॉस्क की आदर्श सोच के बाद उन पर ही सवालिया निशान उठने स्वाभाविक है कि वो किस तरह से सबके लिए स्वतंत्र होने के बाद जांच और प्रतिबंध लगा पाएंगे? अफवाहों व झूठी खबरों पर कैसे काबू पाएंगे? एलन मस्क की कार्यप्रणाली या भविष्य के संकेतों से संदेह लाजिमी है। अब आगे ट्वीटर की चिड़िया कितनी आजाद होगी और वो खुले आसमान की कितनी ऊंचाइयों को छू पाएगी यह तो नहीं मालूम अगर मालूम है। हां मस्क के आते ही उन्होंने भारत सहित तमाम को बाहर का रास्ता दिखाकर भारत सहित दुनिया भर में एक नई बहस को जन्म जरूर दे दिया है। बस थोड़े इंतजार के बाद ही पता चल पाएगा कि न-न करते एलन मस्क की चिड़िया आजाद हुई या हाथी उड़ गया?

-ऋतुपर्ण दवे
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

आपका राशिफल 1 नवम्बर

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) — कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) — आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) — व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) — कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) — यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते) — लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू) — व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) — यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी) — मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) — आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) — परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

फिल्म वर्ग पहेली- 5973

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरुख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 5972

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 6485

★★★ मध्यम

7	4	6		1		8		2
	5		8		7			
9				6				
	6		7	9		5		3
5				4				1
3		1		8	2		7	
				5				6
			4		3		9	
4		3		2		1	5	7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6484 का हल

8	7	9	4	2	5	6	1	3
5	6	3	8	1	7	4	2	9
4	1	2	6	9	3	5	8	7
1	9	8	3	7	4	2	6	5
7	3	4	2	5	6	8	9	1
2	5	6	1	8	9	7	3	4
9	8	5	7	3	2	1	4	6
6	2	7	9	4	1	3	5	8
3	4	1	5	6	8	9	7	2

अब मंगल पर बस्ती बसाने की तैयारी

भविष्य में मनुष्य को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना है। यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण मिशन होगा। लाल ग्रह पर सुरक्षित उतरना,वहां ठहरना और वहां से सुरक्षित लौटना सबसे ब?ी चुनौती है। मंगल मिशन की राह को आसान बनाने के लिए इंजीनियर और शोधकर्ता कई तरह के प्रयोग कर रहे हैं। उनका मुख्य फोकस लाल ग्रह के स्थानीय संसाधनों के उपयोग पर है। वहां ऑक्सीजन उत्पादन का नासा के इंजीनियरों का प्रयोग सफल रहा है। अब शोधकर्ताओं ने मंगल की मिट्टी के उपयोग से महत्वपूर्ण कलपुर्जों और रॉकेट के हिस्सों की 3डी प्रिंटिंग का रास्ता खोज लिया है। इस सफलता के बाद भविष्य में अंतरिक्ष भ्रमण न सिर्फ सस्ता होगा बल्कि ज्यादा व्यावहारिक भी हो जाएगा। यदि मनुष्य को भविष्य में मंगल पर अपनी बस्तियां बसानी हैं तो सबसे पहले उसे अपने अस्तित्व के लिए ग्रह पर ही अधिकांश खाद्य वस्तुओं और आवश्यक कलपुर्जों के उत्पादन के तरीके खोजने होंगे। ऐसा इसलिए जरूरी है क्योंकि अंतरिक्ष में सामग्री ले जाना बहुत महंगा प?ता है। उदाहरण के तौर पर नासा के अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की कक्षा में केवल एक किलो का पेलोड डालने में लगभग 54,000 डॉलर (करीब पांच करो? रुपये) का का खर्च आता है। इसलिए जो कुछ भी ग्रह पर बनाया जा सकता है उससे अंतरिक्ष यान का वजन कम होगा और धन की भी बचत होगी। अगर कोई टूट-फूट होती है तो अंतरिक्ष यात्रियों को उसे मौके पर ही ठीक करने के उपाय की आवश्यकता होगी। ऐसी स्थिति में स्थानीय संसाधनों का उपयोग बहुत उपयोगी होगा। वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी (डब्ल्यूएसयू) के शोधकर्ताओं ने मंगल की सतह पर धूल का उपयोग करके कलपुर्जे बनाने का तरीका खोजा है। उनके अनुसार, मंगल की पांच प्रतिशत से लेकर 100 प्रतिशत मिट्टी का उपयोग करके उपकरण बनाये जा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने प्रयोग के लिए जिस पदार्थ का उपयोग किया वह मंगल पर पाये जाने चट्टानी पदार्थ से मिलता-जुलता है। यह पदार्थ रोबोटिक आर्म या रोवर द्वारा एकत्र किया जा सकता है। डब्ल्यूएसयू के स्कूल ऑफ मैकेनिकल एंड मैटेरियल्स इंजीनियरिंग के प्रोफेसर अमित बंद्योपाध्याय ने कहा कि अंतरिक्ष में मानव मिशन के लिए 3डी प्रिंटिंग अनिवार्य होगी क्योंकि हम वास्तव में पृथ्वी से सब कुछ नहीं ले जा सकते। बंद्योपाध्याय और उनके सहयोगियों ने मंगल की नकली मिट्टी को टाइटेनियम मिश्र धातु के साथ मिलाया। इसके लिए उन्होंने पाउडर-आधारित 3डी प्रिंटर का उपयोग किया। सुदृ?ता और गर्मी प्रतिरोधी गुणों के कारण टाइटेनियम का उपयोग अक्सर अंतरिक्ष अन्वेषण में किया जाता है। शोधकर्ताओं ने पदार्थ को गलाने के लिए उच्च शक्ति वाली लेज़र का उपयोग किया। पिघले हुए मिश्रण को फिर एक चलते हुए प्लेटफॉर्म पर डाला गया। इससे पदार्थ को विभिन्न आकारों में बदलना आसान हो गया। सामग्री के ठंडा होने के बाद शोधकर्ताओं ने ताकत और स्थायित्व के लिए इसका परीक्षण किया। उन्होंने पाया कि टाइटेनियम मिश्र धातु के साथ मंगल की मिट्टी मिलाने से एक बहुत ही सुदृ? पदार्थ बनता है जिसका प्रयोग लाल ग्रह पर कलपुर्जे और रॉकेट के हिस्से बनाने के लिए किया जा सकता है।

प्राणवायु पैदा करने का प्रयोग

इस बीच, मंगल की सतह पर लंच बॉक्स के आकार का एक उपकरण यह साबित कर रहा है कि वह एक छोटे पेड़ का काम विश्वसनीय ढंग से कर सकता है। यह उपकरण दरअसल फरवरी 2021 से लाल ग्रह के कार्बन-डाइऑक्साइड युक्त वातावरण से ऑक्सीजन बना रहा है। नासा के मोक्सी (मार्स ऑक्सीजन इन-सिटू रिसोर्स यूटिलाइजेशन एक्सपेरिमेंट) प्रयोग के लिए इस उपकरण को पिछले साल के आरंभ में पर्सीवरेंस रोवर के साथ मंगल पर भेजा गया था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) के वैज्ञानिकों द्वारा संचालित मोक्सी प्रयोग का उद्देश्य लाल ग्रह पर स्थानीय संसाधनों के उपयोग से ऑक्सीजन बनाना है। साइंस एडवांसेज जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने बताया कि 2021 के अंत तक मोक्सी विभिन्न वायुमंडलीय परिस्थितियों और मंगल के विभिन्न मौसमों के दौरान, रात और दिन में सात बार ऑक्सीजन का उत्पादन करने में सफल रहा। प्रत्येक प्रयोग में यह उपकरण प्रति घंटे छह ग्राम ऑक्सीजन के उत्पादन के अपने लक्ष्य तक पहुंच गया। पृथ्वी पर एक मामूली पेड़ इसी दर पर ऑक्सीजन का उत्पादन करता है।

मुकुल व्यास

विचार प्रवाह

आशीर्वाद मांगने से नहीं, स्वत: मिलता है। आशीर्वाद एक सहज घटना है और यह घटना जब घटती है, तब न तो देने वाले को पता चलताहै कि उसने कुछ दिया है और न पाने वाले को पता चलता है कि उसे कुछ मिला है। सिर्फ पिच्छी लगाना ही आशीर्वाद नहीं होता। मुनि ने हाथ उठा दिया यह भी आशीर्वाद है, देख लिया यह भी आशीर्वाद है और मुस्कुरा दिया यह भी आशीर्वाद है।

-मुनिश्री तरुण सागर

शब्द पहेली - 7525

बाएँ से दाएँ

1.निशा,रात (उर्दू-2)
4.ताला (अंग्रेजी-2)
6.दुलारा,लाडला-2
7.बढ़ावा,समर्थन-2
9.निवास,घर,नीड़-3
12.कमी-3
14.पनाह,आश्रय-3
16.अंगूठे से तीसरी अंगुली, सावित्री-4
17.सज्जनता,सभ्यता-4
18.गिरवी रखी वस्तु-3
20.एक राशि-3
22.दबाव (अंग्रेजी-3)
24.कुल,मुनाफा-2
26.उम्मीद,आशा-2
27.मादा का विलोम-2
28.आगमन-2

ऊपर से नीचे

1.मदिरा,मय-3
2.ऐश्वर्या व अक्षय खन्ना की फिल्म-2
3.सम्मान,प्रसिद्धि-2
5.डोली उठाने वाले-3
6.वेस्टइंडीज की क्रिकेट टीम के कप्तान-2
8.अधिकार-2
10.सेनापति,कप्तान-2,3
11.पति की मां-2
13.आत्मबलिदानी -5
14.कद काठी-3
15.रसद,किराणा-3
19.प्रत्येक-2
20.मैला,अस्वच्छ-3
21.मिट्टी,धूल-2
22.छापाखाना-2
23.जिव्हा,जीभ-3
25.सम्मान-2
26.फलों का राजा-2

शब्द पहेली -7524 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दुबारा लाड़ली लक्ष्मी योजना की शुरूवात

भोपाल,यशभारत। मध्य प्रदेश में लड़कियों के सम्मान के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुबारा लाडली लक्ष्मी योजना की शुरूवात की है। 2 नवंबर को एक बार फिर लाड़ली लक्ष्मी योजना 2.0 कार्यक्रम होने जा रहा है। इस कार्यक्रम से पहले भोपाल को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। राजधानी की लिंक रोड नंबर-दो का नामकरण होन जा रहा है। अब यह सड़क च्लाड़ली लक्ष्मीज पथ के नाम से जानी जाएगी। जानकारी के अनुसार 2 नवंबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान इस सड़क का नामकरण करेंगे। नामकरण कार्यक्रम भारत माता चौराहा पर होगा।

बताया जा रहा है कि राजधानी भोपाल के साथ ही सभी जिलों में भी 2 नवंबर को लाड़ली लक्ष्मी पथ और वाटिका का नामकरण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में लाड़लियों के अभिभावक और स्थानीय जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। वे वाटिका में पौधारोपण भी करेंगे। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम में महिला स्व सहायता समूह की महिलाओं को बुलाया जाएगा। वहीं राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री कालेज जाने वाली बेटियों को 12500 रुपये की प्रोत्साहन राशि देंगे। ला?ली लक्ष्मी योजना 2.0 में यह प्रविधान किया गया है। इनमें अभिभावकों को पीले चावल देकर आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही ग्राम पंचायत, नगर पंचायत, नगरपालिका परिषद और जिला मुख्यालयों पर लाड़ली लक्ष्मी उत्सव के कार्यक्रम की सफलता के लिए भाजपा महिला मोर्चा विभिन्न् योजनाओं के हितग्राहियों से संपर्क करेंगे।

जिसके बाद रविंद्र भवन में राज्य स्तरीय ला?ली लक्ष्मी प्रोत्साहन राशि वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें कालेज जाने वाली करीब डेढ़ हजार लाड़लियां और उनके अभिभावक शामिल होंगे। राज्य सरकार ने कुछ दिन पहले ही निर्णय लिया था कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय की एक सड़क का नाम लाड़ली लक्ष्मी पथ रखा जाएगा।

दरअसल पूरे प्रदेश में 42 लाख लाड़ली लक्ष्मी हैं। इनमें से करीब डेढ़ हजार बालिकाओं ने इस साल कालेज में प्रवेश लिया है। इन्हें कालेज की पढ़ाई पूरी होने पर फिर से 12 हजार रुपये से ज्यादा की राशि प्रदान की जाएगी। यह कार्यक्रम च्मध्य प्रदेश के स्थापना दिवसज कार्यक्रम के तहत किया जा रहा है।

सभी जिलों लाड़ली लक्ष्मी पथ -वाटिका का नामकरण

शिवराज बोले- कांग्रेस और पंडित नेहरू ने भारत को बांटा, भारत जोड़ो यात्रा किसे एकजुट करेगी?

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान) ने रविवार को पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस पर देश को चविभाजितज करने का आरोप लगाया। साथ ही सवाल किया कि राहुल गांधी की अगुवाई में चलाई जा रही च्भारत जोड़ो यात्राज्का मकसद किसे एकजुट करना है। उन्होंने विश्वास जताया कि कर्नाटक में भाजपा एक बार फिर सत्ता में आने वाली है। सिंह चौहान ने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं जो देश के लिए काम कर रहे हैं तो दूसरी तरफ राहुल बाबा हैं जो भारत जोड़ों यात्रा कर रहे हैं। श्रीमान राहुल गांधी, हमें बताएं- भारत को किसने तोड़ा सन 1947 में जल्द से जल्द सत्ता पाने की चाहत के साथ, अगर किसी ने देश को विभाजित किया, तो वह पंडित जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस थे।

घाट पर एक ट्रक से टकराए तीन ट्रक, और... चारों का सामान एक ही जगह बिखर गया

भोपाल, ईएमएस। दमोह-कटनी मार्ग पर अजीबोगरीब सड़क हादसा हुआ। सड़क पर खड़े एक बिगड़े कंटेनर से तीन ट्रक टकराकर खाई में पलट गए। इससे इन ट्रकों में भरा सामान सड़क पर फैल गया। आवागमन बाधित हो गया। निकलने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। घटना की जानकारी लगते ही कुम्हारी थाना और पटेरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक हादसों में घायल लोगों को इलाज के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। यह सभी हादसे सुबह से लेकर रात के बीच हुए। घटना स्थल पर सभी क्षतिग्रस्त ट्रक पलटे पड़े हैं। घटना पन्ना के रैपुरा से आठ किमी दूर कुआखेड़ा और दमोह जिले के कुम्हारी के बीच पड़ने वाले घाट की है। यह घाट दुर्घटनाओं के लिए जाना जाता है। घटना के अनुसार सुबह ग्रेनाइट पत्थर से भरा एक कंटेनर घाट पर ही खराब हो गया था। इससे कंटेनर पुल पर बंद खड़ा था। इसी दौरान रीवा से सीमेंट लेकर दमोह की ओर आ रहा ट्रक क्रमांक आरजे 09 जीसी 1631 घाट पर पहुंचते ही अनियंत्रित हो गया। इस खराब कंटेनर से जाकर टकरा गया। टक्कर इतनी तेज हुई कि सामने खड़े कंटेनर की पूरी बॉडी चेजिज से उतरकर रोड से नीचे छोटी खाई में जा गिरी। एक व्यक्ति को कंटेनर के अंदर बैठा था, वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया गया। सीमेंट से लोड ट्रक भी टक्कर के बाद सड़क पर ही पलट गया। सीमेंट की बोरियां सड़क पर फैल गईं। कुछ घंटे बाद ही एक और ट्रक घाट पर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटे ट्रक से टकराकर पलट गया। सुबह छह बजे एक रेत से लोडेड डंपर भी घाट पर अनियंत्रित होकर सीमेंट वाले ट्रक से टकराकर पलट गया। उसकी पूरी रेत सड़क पर फैल गई। एक ट्रक से टकराकर तीन ट्रकों के पलटने की घटना से हर कोई हैरान है। आखिर ऐसा कौन-सा मोड है, जहां वाहन अनियंत्रित होकर एक-दूसरे से टकरा गए। एक साथ चार ट्रकों के सड़क पर पड़े होने से दमोह-कटनी मार्ग से गुजरने वाले वाहनचालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आईपीएस शैलेष सिंह पर 90 साल की मां ने लगाया प्रॉपर्टी

हाथ जोड़कर सरकार से मांगी मदद

भोपाल,ईएमएस। मध्यप्रदेश कैडर के 1987 बैच के भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी और विशेष पुलिस महानिदेशक शैलेष सिंह पर प्रॉपर्टी हड़पने के आरोप लगे हैं। यह आरोप उनकी ही 90 साल की बुजुर्ग मां कैलासी देवी ने लगाए हैं। इससे पहले उनके बड़े भाई ने भी शैलेष सिंह के खिलाफ लिखित शिकायत दी थी। अब उनकी मां का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह सरकार से हाथ जोड़कर मदद मांग रही है।

मध्यप्रदेश कैडर के आईपीएस अधिकारी शैलेष सिंह पुलिस रिफॉर्म के विशेष पुलिस महानिदेशक है। उनका संपत्ति का विवाद पिछले कुछ समय से चल रहा है। उनके बड़े भाई ने कुछ दिन पहले पुलिस और मानव अधिकार आयोग में शिकायत की थी। अब उनकी मां के रिकॉर्डेड वीडियो सामने आए हैं। इन वीडियो में उनकी मां छोटे बेटे शैलेष सिंह और बेटी पर संपत्ति हड़पने का आरोप लगा रही है। वह वीडियो में कह रही है कि शैलेष डीजी है। दोनों हमको बहुत परेशान करते हैं। जबरदस्ती पैसा मांगते हैं। पांच लाख रुपये ले गए। जिस मकान में हम लोग रहते हैं, वह जबरदस्ती घर से निकालना चाहते हैं। एक अन्य वीडियो में वह खुद को 90 साल की बताकर मदद की गुहार लगा रही है। वह कह रही है कि हम अपने बड़े बेटे के साथ रहते हैं। सरकार हमारी मदद करें। शैलेष सिंह पर आरोप लगाया कि पहले उनसे जबरन पांच लाख रुपये ले लिए और अब संपत्ति हड़पना चाह रहे हैं। शैलेष सिंह पर परिवार ने भोपाल और गोरखपुर की प्रॉपर्टी पर भी कब्जा कर किराये पर चलाने के आरोप लगाए हैं।

यह है मामला- स्पेशल डीजी शैलेश सिंह के बड़े भाई कमलेश सिंह भोपाल के नेहरू नगर में रहते हैं। उन्होंने भोपाल पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर और मध्यप्रदेश राज्य मानव अधिकार आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत में शैलेष सिंह पर प्रताड़ना का आरोप है। कमलेश का आरोप है कि शैलेष ने अपने पद का दुरुपयोग कर झूठे आरोप लगाकर थाने में बंद करवाने की धमकी दी। स्थानीय पुलिस के जरिए मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जा रहा है। 2010 में पिता की मृत्यु हो गई थी। पिता शिक्षा विभाग में पदस्थ थे। मां के नाम पर अलग-अलग खातों में पैसा जमा हैं। कमलेश सिंह ने शिकायत में बताया कि मां ने पिता के पैसे जब उन्हें नहीं दिए तो उन्होंने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया।

मध्य प्रदेश बोर्ड के 10वीं और 12वीं की परीक्षा फरवरी के बजाय मार्च से होने की संभावना

भोपाल यशभारत। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं बोर्ड की परीक्षा अब 15 फरवरी की बजाय एक मार्च से शुरू होगी। यह निर्णय मंडल की साधारण सभा में ले लिया गया है। दसवीं-बारहवीं परीक्षा में 18 लाख से ज्यादा विद्यार्थी शामिल होंगे।

दरअसल माध्यमिक शिक्षा मंडल ने बीती तीन अक्टूबर को निर्देश जारी कर हाईस्कूल व हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा की तारीख घोषित कर दी थीं। निर्देश में कहा गया था कि दोनों कक्षाओं की प्रायोगिक परीक्षाएं 13 फरवरी से 25 मार्च 2023 के बीच और सैद्धांतिक परीक्षाएं 15 फरवरी से 20 मार्च 2023 के बीच आयोजित की जाएंगी। वार्षिक परीक्षाएं 15 फरवरी से शुरू होने पर माशिमं के सदस्यों ने विरोध किया। मंडल के कुछ सदस्यों का कहना था कि विद्यार्थियों को पढ़ने का समय नहीं पाता है। पंद्रह फरवरी से परीक्षा शुरू होने पर कोर्स भी अधूरा रहता है। इससे परीक्षा एक मार्च से आयोजित करवाई जाए। बोर्ड के सदस्यों के प्रस्ताव पर साधारण सभा की हाल ही में आयोजित बैठक में एक मार्च से परीक्षा शुरू करवाने का निर्णय ले लिया गया है। एक मार्च से परीक्षा शुरू होने से फरवरी में प्रैक्टिकल की परीक्षाएं संपन्न करवाई जाएगी। मंडल द्वारा परीक्षा विस्तृत टाइम टेबिल जल्द घोषित किया जाएगा।

कोरोना काल से शुरू हुई थी फरवरी में परीक्षा कोरोना कॉल से मंडल ने दसवीं-बारहवीं की फरवरी से परीक्षाएं आयोजित करने की शुरुआत की थी। इस बार भी मंडल ने पंद्रह फरवरी से परीक्षाएं शुरू करने की तिथि घोषित कर दी थी। फरवरी में परीक्षाएं शुरू करने से विद्यार्थियों को इससे फायदा मिल रहा था। मुख्य परीक्षा फरवरी में शुरू होकर मार्च में समाप्त हो जाती थी। मार्च के पहले सप्ताह में ही परीक्षाएं समाप्त होने से विद्यार्थियों को नीट, जेईई जैसी परीक्षा की तैयारी करने के लिए समय मिल जाता था। लेकिन मार्च में परीक्षा शुरू होकर अप्रैल तक परीक्षा होने से विद्यार्थियों को नीट, जेईई जैसी परीक्षा के लिए अब पर्याप्त समय नहीं मिल पाएगा।माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं परीक्षा में प्रदेश में करीब साढ़े तीन हजार परीक्षा केंद्र बनाए जाते है। इन केंद्रों पर केंद्राध्यक्ष रेंडम पद्धत्ति से चयन कर नियुक्त किया जाता है। जिसमें प्राचार्यों को पता नहीं रहता कि उन्हें किस परीक्षा केंद्र का केंद्राध्यक्ष बनाया जाएगा।

भोपाल में छठ पूजा के दौरान पटाखे जलाने से लगी आग

भोपाल। राजधानी के भेल में टैगोर नगर फेस 2 में सोमवार को सुबह छठ पूजा के दौरान पटाखे जलाने से आग लग गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंची और आग पर काबू पाया। बताया जा रहा है कि छठ पूजन के दौरान पटाखे जलाए जा रहे थे, जिनकी चिंगारी टेंट हाउस के गद्दों में लग गई थी। घटना के कुछ समय में ही भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए थे, कितना नुकसान हुआ है, इसकी जानकारी नहीं है। उल्लेखनीय है कि इस चार दिवसीय त्योहार का सोमवार को समापन हुआ। सोमवार की सुबह कुछ लोगों ने आतिशबाजी की थी, बताया जा रहा है कि इन चिंगारी के टेंट हाउस में पहुंचने से ही आग भडकी थी,भारी संख्या में जन समूह होने के कारण किसी ने नगर निगम को सूचना को सूचना दी थी। जल्दी से फायर ब्रिगेड पहुंचने से आग पर नियंत्रण किया गया और कोई बड़ी अनहोनी को टाला गया।

विधिविधान से की सूर्य देव व छठ मईया की पूजा

भोपाल, नवदुनिया प्रतिनिधि। केलवा के पात पर उगेलन सुरुज मल झांके ऊंके...करिहा क्षमा छठी मईया..भूल-चूक गलती हमार...हमनी से बरत तोहार हमनी से बरत तोहार...सुनिहा अरज छठी मईया...ऐसे अन्य लोकगीत छठ महापर्व पर सुनने को मिले। शहर की शीतलदास की बगिया, खटलापुरा, मां सरस्वती मंदिर भेल बरखेड़ा, पांच नंबर तालाब सहित शहर की 50 से अधिक विसर्जन घाटों व कुंडों पर छठ महापर्व के लोकगीत छठ व्रतधारियों ने गाए। गन्नों को के मंडप बनाकर सूपा में पूजन सामग्री, फल, ठेकुआ समेत अन्य खाद्य सामग्री रखकर छठ मैया की पूजा-अर्चना की। डूबते हुए सूर्य को शाम 5:40 बजे अर्घ्य दिया। संतान की लंबी आयु के लिए महिलाओं ने कामना की। कोरोना के कारण दो वर्ष बाद छठ महापर्व मनाने का भोजपुरी समाज के लोगों में दोगुना उत्साह व उल्लास देखने को मिला। सोमवार को उगते हुए सूर्य को अर्घ्य देकर चार दिवसीय छठमहापर्व का समापन किया। शीतलदास की बगिया - शीतलदास की बगिया में छठमहापर्व मनाया गया। भोजपुरी एकता मंच की ओर से आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं ने निर्जला व्रत रखा तथा गन्ना, नारियल, सिंघाड़ा, मौसमी फल अर्पित कर छठ माता की पूजा अर्चना कर सूर्य भगवान को अर्घ्यदिया। इस दौरान मुख्यअतिथि के रूप में हरियाणा के पूर्व राज्यपाल कप्तान सिंह सोलंकी ने दीप प्रज्वलित करके छठ महापर्व की शुरुआत की। सोलंकी ने कहा कि छठ महापर्व भोजपुरी समाज के लोगों के अलावा अन्य समाज के लोगों को भी जोड़ने का काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश झारखंड बिहार के अलावा अब मप्र में रहने वाले भोजपुरी समाज के लोग भोपाल सहित अलग-अलग जिलों में छठवां पर मनाते हैं। दूसरों के प्रति अच्छा व्यवहार रखें। स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करें। समाज के लोगों ने छठ पर्व के मौके पर स्वच्छता अभियान में भागीदारी निभाने का भी संकल्प लिया। इसके बाद दीपदान किया गया। शीतलदास की बागिया में श्रद्धालुओं ने 2100 दीपों से दीपदान किया। इससे तलाब रोशनी से जगमगा गया। रंगारंग अतिशबाजी भी हुई। भेल बरखेड़ा ई-सेक्टर क्षेत्र में सरस्वती देवी मंदिर प्रांगण में भक्तिमय एवं धार्मिकता के साथ छठ पूजा की गई। बिहार सांस्कृतिक परिषद की ओर से आयोजित समारोह में भोजपुरी समाज की महिलाओं ने भोजपुरी लोकगीत कांच ही बांस के बहंगिया बहंगी लचकत जाए गाया। अन्य लोकगीत भी गाए। क्षेत्रीय विधायक कृष्णा गौर ने भी लोकगीत गाए। इसके बाद छठ मईया के मधुरिम गीतों के साथ देवी जागरण एवं भजन गायन की मनमोहक एवं सुन्दर प्रस्तुति बिहार के प्रसिद्ध गायक एवं गायिका एवं टीम द्वारा दी गई। काशी विश्वनाथ मंदिर - चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने लोक आस्था और प्रकृति की उपासना के पर्व छठ पूजा के अवसर पर करोंद के काशी विश्वनाथ मंदिर में स्थित सूर्य कुंड में पूजा अर्चना कर भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। मंत्री सारंग सूर्यास्त के पहले पूजा की डलिया लेकर मंदिर परिसर पहुंचे। उन्होंने विधि विधान से पूजा-अर्चना कर सूर्यास्त के समय भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया। इस दौरान काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। मंत्री सारंग ने वार्ड 75 के संजीवनगर, वार्ड 37 के राजेन्द्र नगर, वार्ड 38 के एकतापुरी, वार्ड 44 के दुर्गा मंदिर और वार्ड 59 में शाखा ग्राउंड, हथाईखेड़ा आनंदनगर व शीतलदास की बगिया कमला पार्क में स्थित छठ पूजा घाटों पर पहुंचकर छठ पूजा कर रहे श्रद्धालुओं को छठ पूजा की शुभकामनाएं दीं।

उगते हुए सूर्य को दिया अर्घ्य

कमलनाथ का सरकार पर बड़ा हमला

बोले- चुनाव आते ही झूठे सपने दिखाने लगे शिवराज

भोपाल , ईएमएस। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव में एक साल का समय बचा है। दोनों ही पार्टियों ने आरोप-प्रत्यारोप तेज कर दिए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शनिवार को प्रदेश में 69 सीएम राइज स्कूलों का भूमिपूजन किया। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने राज्य सरकार पर हमला बोला है। कमलनाथ ने कहा कि भाजपा की 18 वर्ष की सरकार के कार्यकाल में मध्यप्रदेश स्कूली शिक्षा के मामले में निरंतर गर्त में गया है। इसके गवाह खुद सरकारी आंक? हैं। अब चुनावी साल में जनता को गुमराह करने के लिए सीएम राइज स्कूल के झूठे सपने दिखाए जा रहे हैं।

कमलनाथ ने मध्यप्रदेश के सरकारी स्कूलों की खस्ताहाल स्थिति पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि देशभर के आंकड़े उठाकर देखे जाएं तो स्कूली शिक्षा में मध्यप्रदेश का नंबर बेहद नीचे है। वहीं, आज चुनावों को देखते हुए जनता को गुमराह करने के लिए उच्चस्तरीय बुनियादी संरचना वाले व स्मार्ट क्लासेस, डिजिटल लर्निंग, सर्वसुविधा युक्त लैब, पुस्तकालय वाले सीएम राइज विद्यालयों के सपने दिखाए जा रहे हैं। यदि सरकार को शिक्षा के स्तर और स्कूलों की इतनी चिंता है तो क्या कारण है कि उनकी पिछले 18 वर्ष में सरकारी स्कूल खस्ताहाल स्थिति में पहुंच गए हैं। प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति सुधारने के लिये सरकार ने कदम क्यों नहीं उठाए? जो सरकार पिछले 18 वर्षों में प्रदेश के सरकारी स्कूलों की स्थिति नहीं सुधार पाई है, वह आज किस आधार पर इतने बडे-बड़े सपने दिखा रही है?

36 हजार स्कूलों में बिजली नहीं

कमलनाथ ने पूछा कि मध्यप्रदेश में एक लाख 23 हजार सरकारी स्कूल है। आज भी करीब 36 हजार स्कूलों में बिजली नहीं है। इसी से डिजिटल लर्निंग, स्मार्ट क्लासेस व कम्प्यूटर शिक्षा की स्थिति की कल्पना की जा सकती है। आज भी मध्यप्रदेश में शिक्षकों के करीब एक लाख पद खाली हैं और पिछले कई वर्षों से शिक्षकों की भर्ती नहीं हुई है। प्रदेश में करीब 18 हजार स्कूल ऐसे हैं जो सिर्फ एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। प्रदेश में 14 हजार स्कूल ऐसे हैं, जिनमें पीने के पानी की सुविधा तक नहीं है। प्रदेश में 40 हजार के करीब ऐसे स्कूल हैं जिनके भवन जर्जर हो चुके हैं। इनमें से कई तो आज भी पेड़ों के नीचे चल रहे हैं। कइयों की छत बारिश में टपकती है। कइयों में बारिश का पानी भर जाता है।

18 हजार स्कूलों में शौचालय नहीं

कमलनाथ ने आरोप लगाया कि प्रदेश में करीब 18 हजार स्कूल ऐसे हैं, जहां शौचालय नहीं हैं। जहां है, वह बदहाल स्थिति में है। हजारों स्कूलों में लड़कियों के लिए अलग से टॉयलेट नहीं है। 34 हजार के करीब स्कूलों में तो हैंड वॉश तक नहीं है। आठ हजार के करीब स्कूलों में लाइब्रेरी नहीं है। 33 हजार स्कूलों में खेल मैदान नहीं है। आज भी हजारों स्कूलों के पास अपना खुद का भवन नहीं है। एक-एक कमरों में स्कूल चल रहे हैं।

मध्य प्रदेश के तीन सरकारी आयुर्वेद कालेजों की मान्यता अटकी

भोपाल यशभारत। मध्य प्रदेश में बुरहानपुर, जबलपुर और रीवा के सरकारी आयुर्वेद कालेजों की स्नातक (बीएएमएस) पाठ्यक्रम की मान्यता नेशनल कमीशन फार इंडियन सिस्टम आफ मेडिसिन ने रोक दी है। शिक्षकों की कमी के चलते मान्यता रोकी गई है। सभी कालेजों ने एनसीआइएसएम को आश्वस्त किया है कि मापदंड के अनुसार शिक्षकों की कमी पूरी कर ली जाएगी। अब आयोग के ऊपर है कि आश्वासन के आधार पर मान्यता देता है या नहीं। एक सप्ताह में इस पर निर्णय होगा।सबसे बड़ा संकट बुरहानपुर आयुर्वेद कालेज की मान्यता को लेकर है। यहां पर प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के 12 और सहायक प्राध्यापक के 15 पद रिक्त हैं। तीन विभागों में एक भी शिक्षक नहीं हैं। इतना जल्दी इन पदों को भरना आसान नहीं है। ऐसे में यहां की बीएएमएस की मान्यता मिलना मुश्किल है। इस कालेज में बीएएमएस की 85 सीटें हैं। रीवा के आयर्वेद कालेज में प्राध्यापक और सह प्राध्यापक के मिलाकर चार और सहायक प्राध्यापक के दो पद रिक्त हैं। कालेज प्रबंधन ने कमीशन को भरोसा दिलाया है कि शिक्षकों के रिक्त पदों को जल्द ही भर लिया जाएगा। इसके अलावा जबलपुर के सरकारी आयुर्वेद कालेज की मान्यता भी रुकी हुई है।

31 अक्टूबर : जन्मदिन पर विशेष

सेवा ही संकल्प

जिस दिन से चला हूं, मेरी मंजिल पर नजर है, आंखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा
ये तख्तोताज क्या मुझे विरासत में मिले हैं, उन्होंने मेरा कांटों भरा बिस्तर नहीं देखा

मशहूर शायर बशीर भद्र की ये पंक्तियां कदाचित कटनी के लाड़ले बेटे संजय पाठक के व्यक्तित्व पर खरी उतरती हैं। संजय पाठक आज उस मुकाम पर है, जहां पहुंचने का सपना हर युवा की आंखों में तैरता है। 31 अक्टूबर 1970 को जन्मे संजय ने अपने पूज्य पिता पंडित सत्येन्द्र पाठक जी एवं माता श्रीमती निर्मला पाठक जी से मिले संस्कारों और परोपकार की भावना को अंगीकार करते हुए राजनीति को सेवा का माध्यम बनाया। दूसरों के दुख-दर्द को अपना समझते हुए हर पल मदद के लिए तत्पर रहने वाले संजय पाठक के जीवन का जैसे उद्देश्य ही लोगों के आंसू पोंछना है। उनकी दहलीज पर आया जरूरतमंद कभी खाली हाथ नहीं लौटा। पीढ़ियों से चली आ रही मदद की इस भावना को संजय ने भी बड़ी शिद्दत से अपनाया और निभाया है। जिला पंचायत अध्यक्ष से शुरू हुआ राजनीति का सफर सूबे की सरकार में मंत्री तक पहुंचा, लेकिन हर क्षण मूलमंत्र सेवा ही रहा। कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से चौथी बार विधायक निर्वाचित होकर अपने जीवन का हर पल जनता के नाम समर्पित कर चुके हैं। उनकी धड़कनों में कटनी और उसके वाशिंदे बसते हैं।

सत्ता पर नहीं लोगों के दिलों में राज करना चाहता हूं....

संजय पाठक अपने पुरूषार्थ से न केवल अपने जीवन को सार्थक कर रहे हैं बल्कि एक आदर्श इंसान के रूप में दूसरों के लिए भी प्रेरणादायी बनकर सामने आए हैं। पीड़ित मानवता की सेवा, संस्कार और पल भर में लोगों को अपना बना लेने की अद्भुत कार्यशैली की वजह से उनका चमत्कारिक व्यक्तित्व आज लाखों युवाओं के लिए अनुकरणीय बन चुका है। अपनी मातृभूमि और उसमें निवास करने वाले लोगों के प्रति गहरे लगाव की वजह से ही आज पाठक परिवार का कारवां हर दिन बढ़ता जा रहा है। उनके उदार व्यक्तिव में माता-पिता की गहरी छाप तो नजर आती ही है, साथ ही वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के सेवाकार्यों से भी वे प्रभावित नजर आते हैं। सही मायने में पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के सिद्धांत को जैसे संजय पाठक अपनी सेवाभावी राजनीति का मूलमंत्र बना चुके हैं। सेवा से जुड़े अपने मिशन को उन्होंने कटनी जिले की सीमाओं में कभी नहीं बांधा, बल्कि हर उस व्यक्ति के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आए, जो मुसीबत में था।

पिता से लिया सेवा का व्रत

अपने पूज्य पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए संजय पाठक ने भी सेवा और समाज के उत्थान को अपनी राजनीति का माध्यम बनाया। उनका दिल भी पिता की तरह दीन-दुखियों की सेवा के लिए धड़कता है। परोपकार को वे अपना धर्म समझकर निभाते हैं। संजय पाठक स्वयं भी कहते हैं कि ईश्वर ने मुझे जो साधन और संपन्नता दी है, वह मेरे स्वयं के उपभोग के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की मदद के लिए है। वे खुद को महज उस पोस्टमैन की भूमिका में मानते हैं, जो जनता के नाम ईश्वर से आए मनीऑर्डर को उन तक इस भाव के साथ पहुंचाता है कि तेरा तुझको अर्पण-क्या लागे मेरा। संजय पाठक अगर आज जन-जन की आशाओं के केन्द्र बन चुके हैं, तो इसके पीछे पूज्य गुरूदेव पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी की कृपा, पूज्य माता-पिता के आशीर्वाद और हजारों चाहने वालों की दुआओं का ही नतीजा है। सही मायने में सेवा भावना से उन्हें हर पल नई ऊर्जा के साथ काम करने की ताकत मिलती है। उनका कार्यक्षेत्र केवल कटनी जिला या विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं, बल्कि किसी आशा से उन तक पहुंचने हर व्यक्ति की मदद के लिए उनके हाथ बढ़ते चले जाते हैं।

स्वास्थ्य शिविर का भागीरथी प्रयास

बरही में कुछ समय पहले आयोजित विशाल स्वास्थ्य शिविर को भी उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र की सीमाओं में नहीं बांधा, बल्कि पूरे कटनी जिले सहित पड़ोसी जिलों से आने वाले लोगों के इलाज की चिंता भी उनके मन में बराबर रही। आज बड़ी तादात में लोग ऐसे हैं, जिनके इलाज के लिए संजय पाठक ने तन, मन और धन से खुद को समर्पित कर दिया है। बरही के शिविर के पीछे कदाचित उनके पूज्य पिता की ही प्रेरणा थी। शिविर में चिरायु मेडिकल कॉलेज के योग्य चिकित्सकों ने महज दो दिन में एक लाख से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। शिविर में जांच के बाद 3800 मरीज ऐसे मिले, जिनका आगे का इलाज भोपाल के चिरायु अस्पताल में कराया गया। बरही से रिफर होकर भोपाल गए मरीजों की चिंता भी उन्हें बराबर बनी रही। उनका हाल जानने वे पुत्र और भाई की तरह भोपाल के चिरायु अस्पताल भी गए। हर दिन वे इलाज का अपडेट भी लेते रहे।

कोविड सेंटर बनाकर किया ऑक्सीजन और वेंटीलेटर का इंतजाम

हम सबने देखा है कि कोरोना काल में जिस समय स्वास्थ्य सेवाओं की कमी से हर कोई जूझ रहा था और लोग चाहकर भी एक दूसरे की मदद नहीं कर पा रहे थे, उस कठिन वक्त में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने सायना इंटरनेशनल स्कूल में सांसद कोविड सेंटर का शुभारंभ कराकर कोविड के मरीजों के लिए इलाज का इंतजाम किया। यहां प्रशिक्षित स्टाफ को तैनात करने के साथ ऑक्सीजन सिलेंडर और वेंटीलेटर की व्यवस्था की गई। बरही एवं विजयराघवगढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में वेंटिलेटर वैन एवं आक्सीजन यंत्र भी उन्होंने प्रदान किए। कोरोनाकाल में अनाज और जरूरी सामान के पैकेट जरूरतमंदों के घरों तक पहुंचाए। जिला चिकित्सालय में बिस्तरों की कमी को देखते हुए उन्होंने पूज्य पिता की स्मृति में सुविधा युक्त कक्ष निर्माण के लिये राशि उपलब्ध करवाई। विजयराघवगढ़ एवं बरही में भी स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करवाईं।

ललिताबाई ने संजय को कहा था श्रवण कुमार

आज के दौर में कौन किसकी इतनी चिंता करता है। यही वजह है कि विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र समेत कटनी जिले के लोग संजय पाठक को अपने परिवार का बेटा और भाई मानते हैं। न जाने कितनी माताओं की आंखों के वे तारे हैं और न जाने कितने बुजुर्गों का सहारा हैं। शिविर में पहुंची कन्हवारा की ललिताबाई ने यदि उनकी सेवा भावना से प्रभावित होकर उन्हें श्रवण कुमार की संज्ञा दी थी तो कहीं न कहीं यह उस माता की अंतरात्मा से निकली आवाज होगी।

कौन भूल सकता है उत्तराखंड की त्रासदी

उत्तराखंड में आई उस त्रासदी को भला कौन भूल सकता है, जिसमे जोखिम उठाकर कटनी के इस बेटे ने अनेक लोगों की जान बचाई थी। सही मायने में तो वे देवभूमि में किसी देवदूत बनकर ही उतरे थे।

पूज्य पिता की स्मृति में सर्वसुविधायुक्त चिकित्सा भवन की सौगात

कोरोनाकाल में स्वास्थ्य सेवाओं की कमी को समझते हुए पूज्य पिता पं. सत्येन्द्र पाठक की स्मृति में जिला चिकित्सालय में 9 करोड़ की लागत से सर्वसुविधायुक्त चिकित्सा भवन तैयार कराया जा रहा है, जिसकी आधारशिला प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा द्वारा रखी जा चुकी है। इस चिकित्सा भवन में इलाज की आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी।

गरीब कन्याओं के विवाह में मदद

विजयराघवगढ़ सहित समूचे जिले में गरीब कन्याओं के विवाह में मदद का सिलसिला भी अनवरत रूप से जारी है। अपने पूज्य पिता की राह पर चलते हुए संजय पाठक भी एक भाई की तरह बहनों के प्रति अपने इस फर्ज को निभा रहे हैं। बड़ी तादात में गरीब परिवार की कन्याओं के विवाह में अपनी ओर से हर संभव मदद करते हुए संजय पाठक अपने पुत्र यश को भी यही शिक्षा देते हैं कि वह भी लोगों की मदद के संकल्प को लेकर आगे बढ़े। धार्मिक आयोजनों में भी संजय पाठक की सहभागिता किसी से छिपी नहीं है। अपने गुरू पूज्य पंडित देव प्रभाकर शास्त्री दद्दा जी के प्रति आस्थावान रहते हुए बड़े धार्मिक आयोजनों के माध्यम से उन्होंने समाज में एक धर्मपरायण इंसान के रूप में अपनी गहरी छाप छोड़ी है।

न रूकूंगा, न थमूंगा...

अपने सेवा कार्यों को सतत जारी रखने के बावजूद संजय पाठक किंचित मात्र भी थके नजर नहीं आते। संकल्प लेते हुए वे कहते हैं न रूकूंगा, न थमूंगा। हर जरूरतमंद की मदद के लिए सदैव उपस्थित रहूंगा। हर कोई जानता है पीड़ितों के आंसू पोंछना तो पाठक परिवार के नित्य कर्म में शामिल है। परोपकर से जुड़े कार्यों को यह परिवार अपने धर्म की तरह निभाता है।

मैं तो पत्थर हूं, मेरे माता-पिता शिल्पकार हैं, मेरी हर तारीफ के वो ही असली हकदार हैं

क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार का संकल्प

- व्यक्तिगत तौर पर विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत सर्वसुविधायुक्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयराघवगढ़ भवन हेतु 75 लाख एवं 50 लाख रूपए बरही में भवन हेतु निर्मित कराकर समर्पित करने प्रस्तावित किए।
- विजयराघवगढ़ एवं बरही हेतु व्यक्तिगत तौर पर 29-29 लाख लागत की 2 सुपर स्पेशिलिटी एम्बुलेंस समर्पित की गई। परिजनों द्वारा शवों को ले जाने की असुविधा को देखते हेतु 7-7 लाख रूपए के 3 शव वाहन विधायक निधि से उपलब्ध कराए।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विजयराघवगढ़ को विधायक निधि से 15 लाख रुपए कोरोना मरीजों के इलाज हेतु दिए गए।
- सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरही में कोरोना पीड़ित मरीजों के इलाज के लिए 5 लाख रुपए दिए गए।
- कोरोना काल में सायना इंटरनेशनल स्कूल कटनी में 400 बेड का अस्थायी सांसद कोविंड सेन्टर संचालित करने हेतु शासन को दिया गया।
- जबलपुर में दद्दा परिसर में 300 बिस्तरों का अस्थायी कोविड सेन्टर शासन को देने का प्रस्ताव दिया गया।
- कटनी जिले हेतु रेडक्रॉस सोसाइटी में कोविड काल में सहयोग हेतु 25 लाख रुपए चिकित्सीय सहायतार्थ हेतु प्रदान किए।

विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांवों पर फोकस

विधायक संजय पाठक इस बात को हमेशा महत्व देते हैं कि भारत गांवों में बसता है। वे विशेषकर अपने विधानसभा क्षेत्र विजयराघवगढ़ की बात करते हुए कहते हैं कि भाजपा सरकार द्वारा आज विजयराघवगढ़ के हर गांव में आधारभूत सुविधाएं विकसित कर विकास किया जा रहा है, जिससे बदलाव की नई इबारत लिखी गई है। गांव में हुई नई पहल का असर दिखाई दे रहा है। गांवों में भी शहर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हुई हैं। गांव-गांव सड़क पहुंच गई है और पानी, बिजली, स्वच्छता, नाली निर्माण जैसे आधारभूत सुविधाओं का लगातार विकास हो रहा है। लोगों को सुविधाएं भी मिली हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने की मुहिम

नि:शुल्क स्वास्थ्य एवं परीक्षण शिविर को देखते हुये 22 मार्च से लेकर 23 मार्च तक विजयराघवगढ़, कांटी, कारीतलाई, सिनगौड़ी, गैरतलाई, बरही, खितौली केन्द्रों में नि:शुल्क आयुष्मान कार्ड बनाये जाने का अभियान चलाया गया, जिसमें अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाये गये।

चाहने वालों की ओर से आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

एफआईआर के बाद बिग बॉस 16 से निकाले जाएंगे साजिद

यौन शोषण मामले में शर्लिन चोपड़ा ने दर्ज करवाया बयान

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड फिल्ममेकर साजिद खान बिग बॉस 16 का हिस्सा बनने के बाद अब मुश्किलों में फंसते नजर आ रहे हैं। सालों पहले साजिद पर

कई मॉडल, एक्ट्रेस और जर्नलिस्ट ने मीटू मामले के तहत यौन शोषण के आरोप लगाए थे। एक साल तक इंडस्ट्री में बैन रहने के बाद साजिद को क्लीनचिट मिली थी, लेकिन उन्हें बिग बॉस में देखने के बाद अब शर्लिन चोपड़ा ने यौन शौषण मामले को कानूनी रूप दे दिया है। शर्लिन ने साजिद के खिलाफ जुहू पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करवाई है। शर्लिन ने अपना बयान भी दर्ज करवा दिया है, जिस पर जल्द कार्यवाही शुरू होगी। साजिद को जल्द ही पुछताछ के लिए पुलिस स्टेशन बुलाया जा सकता है, ऐसे में उन्हें चलते शो से निकाले जाने की बात भी सामने आई है। शर्लिन चोपड़ा साजिद खान के खिलाफ शिकायत दर्ज करा कर देर रात जुहू पुलिस स्टेशन से निकली, शर्लिन ने कहा कि उनका बयान दर्ड कर लिया गया है, पुलिस अब साजिद खान को बुलाकर उनसे पूछताछ करेगी।

बयान दर्ज करने में पुलिस ने की आनाकानी

एजेंसी से बातचीत में शर्लिन ने बताया कि शुरुआत में जुहू पुलिस स्टेशन ने ये कहते हुए बयान दर्ज करने से इनकार कर दिया कि जिस पुलिस ऑफिसर को केस सौंपा गया है वो मौजूद नहीं हैं। हालांकि बाद में शर्लिन ने क्स्ढ्ढ मेघा के सामने बयान दिया। पुलिस ऑफिसर मेघा ने शर्लिन को आश्वासन दिया है कि जल्द ही साजिद को पुलिस स्टेशन बुलाकर पूछताछ की जाएगी।

सलमान खान के घर के बाहर प्रोटेस्ट करेंगी शर्लिन

शर्लिन ने बयान दर्ज करवाने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा है कि साजिद खान पर सलमान खान का हाथ है और उनका कोई कुछ नहीं कर सकता। एक्ट्रेस ने सलमान खान से भी अपील की है कि वो इस मामले में नजर डालें। इसी के साथ एक्ट्रेस ने कहा कि हमलोग आपको भाईजान बोलते है तो हम आपकी बहन क्यों नही हो सकते हैं। हमलोग सलमान खान के घर के बाहर जाकर शांतिपूर्ण तरीके से प्रोटेस्ट भी करेंगे। शर्लिन ने कहा कि ये लड़ाई सिर्फ उनकी ही नहीं बल्कि उन सभी महिलाओं के लिए है जिन्हें साजिद द्वारा हैरेस किया गया है।

इन एक्ट्रेसेस ने भी साजिद के खिलाफ दिया था बयान

साल 2018 में इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेस ने साजिद पर सेक्शुअल हरैसमेंट के संगीन आरोप लगाए थे। इन एक्ट्रेसेस में मंदाना करीमी, सलोनी चोपड़ा, रेचल व्हाइट, सिमरन सूरी, मरीना कुंवर, अहाना कुमरा, डिंपल पॉल, शर्लिन चोपड़ा और जर्नलिस्ट करिश्मा उपाध्याय शामिल थीं। जिया खान की डॉक्यूमेंट्री फिल्म डेथ इन बॉलीवुड (2021) में जिया खान की बहन करिश्मा ने भी इस बात का जिक्र किया कि साजिद ने जिया को हैरेस किया था।

एक साल के लिए इंडस्ट्री से बैन हो चुके हैं साजिद

फिल्म एसोसिएशन ने मामले को संजीदगी से लेते हुए साजिद खान पर एक साल का बैन लगाया था, जिसके चलते उन्हें हाउसफुल 2 फिल्म भी छोड़नी पड़ी थी। साजिद ने हर बार इन आरोपों को मानने से इनकार कर दिया।

साजिद से पहले अरमान कोहली को बिग बॉस से किया गया था अरेस्ट

पूछताछ के लिए साजिद को चलते शो से निकाला जा सकता है, लेकिन ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। अरमान कोहली को भी इससे पहले चलते से शो अरेस्ट किया जा चुका है। दरअसल, बिग बॉस 7 में अरमान कोहली और सूफिया हयात के बीच जोरदार लड़ाई हुई थी।

रोहित-विराट की गलतियां भारत को भारी पड़ीं

कप्तान ने रन आउट के 2 मौके गंवाए, कोहली ने मार्करम का आसान कैच छोड़ा

पर्थ, एजेंसी। रविवार को टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-साउथ अफ्रीका मैच खासा रोमांचक रहा। एक बॉल पर लगता बाजी इंडिया के हाथ में है तो दूसरी ही बॉल पर खेल बदल जाता। बहरहाल, टीम इंडिया ने इस करीबी मुकाबले को गंवा दिया और इसके जिम्मेदार रहे कप्तान और पूर्व कप्तान। हम बात कर रहे हैं रोहित शर्मा और विराट कोहली की। मैच में एक नहीं, बल्कि तीन ऐसे मौके आए जब रोहित शर्मा और विराट कोहली ने बड़ी गलतियां कीं। अगर इन दोनों प्लेयर्स ने मिलाकर तीन मौके न गंवाए होते तो शायद मैच का नतीजा कुछ और ही होता।

विराट से छूटा कैच, इंडिया से मैच

रोहित शर्मा ने 12वें ओवर में बॉल अश्विन को सौंपी। इस ओवर की पांचवीं गेंद थोड़ी शॉर्ट थी। मार्करम क्रीज से निकले और डीप मिड विकेट पर हिट किया। गेंद हवा में थी। यहां विराट कोहली मौजूद थे। बॉल सीधे उनके हाथों में पहुंची, लेकिन फिसल गई। कोहली ने दूसरी बार भी कोशिश की, लेकिन नाकाम रहे।विराट और रोहित की यह गलतियां टीम इंडिया को बहुत भारी पड़ीं। ये बात सही है कि टीम इंडिया ने साउथ अफ्रीका को बड़ा टारगेट नहीं दिया था, लेकिन अर्शदीप ने शुरुआती ओवर में ही टीम को आगे कर दिया था। बहरहाल, टेम्बा बावूमा की टीम इस मैच को बमुश्किल ही सही, लेकिन जीतने में कामयाब रही।

रोहित ने रन आउट के 2 मौके गंवाए

हार्दिक पंड्या 9वां ओवर डालने आए। ओवर की पांचवी गेंद लैंथ बॉल थी। साउथ अफ्रीकन बैटर डेविड मिलर ने इसे कवर्स की तरफ खेला और रन लेने के लिए क्रीज से काफी आगे निकल आए। नॉन-स्ट्राइकर एडेन मार्करम भी दौड़ पड़े और आधी पिच तक आ गए। रोहित शर्मा ने बॉल उठाई और नॉन-स्ट्राइकर एंड पर थ्रो किया। रोहित का निशाना सही नहीं था और मार्करम हिफाजत के साथ क्रीज में पहुंच गए। ये सब इतनी तेजी से हुआ कि बॉलर अर्शदीप को फॉलो थ्रू कम्पलीट करके विकेट तक आने का मौका भी नहीं मिल सका। दूसरा रन आउट रोहित ने 13वें ओवर में मिस किया। गेंदबाज कर रहे थे मोहम्मद शमी। यह सटीक गुड लेंथ बॉल थी। मिलर बमुश्किल डिफेंड कर पाए। मार्करम को रन के लिए भागते देख उन्होंने भी दौ? लगा दी। इधर, रोहित कवर्स से दौड़ते आए, गेंद पकड़ी और स्ट्राइकर एंड पर अंडरआर्म थ्रो किया। इस बार भी निशाना सटीक नहीं था। इसके बाद यही दोनों बल्लेबाज यानी मार्करम और मिलर मैच को टीम इंडिया की पकड़ से खींच ले गए।

टीम इंडिया की हार से बदला सेमीफाइनल का समीकरण

पर्थ, एजेंसी। टी-20 वर्ल्ड कप में रविवार को टीम इंडिया साउथ अफ्रीका से 5 विकेट से हार गई। इस नतीजे के बाद सुपर-12 में ग्रुप-2 का समीकरण काफी बदल गया है। अब ग्रुप की 6 में से 5 टीमें अंतिम चार में पहुंचने की होड़ में हैं। चलिए एक-एक कर सभी टीमों की संभावनाओं को जान लेते हैं।

सबसे पहले उस टीम की बात जो बाहर हो चुकी है

नीदरलैंड की टीम रविवार को पाकिस्तान से हार गई। यह तीन मैचों में डच टीम की लगातार तीसरी हार है। वह सेमीफाइनल की होड़ से बाहर होने वाली ग्रुप-2 की पहली टीम बन गई है।

साउथ अफ्रीका अब सबसे अच्छी स्थिति में

रविवार के मुकाबलों से पहले टीम इंडिया ग्रुप-2 में सबसे अच्छी स्थिति में थी। भारत पर जीत के बाद अब इस स्थिति में साउथ अफ्रीका की टीम आ गई है। तीन मैचों से साउथ अफ्रीका के पांच पॉइंट्स हैं। उसके अब पाकिस्तान और नीदरलैंड से मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर टीम 9 अंक के साथ टेबल टॉपर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। एक मैच में हार के बावजूद भी साउथ अफ्रीका अंतिम चार में पहुंच सकता है। उसका नेट रन रेट 2.772 का है जो ग्रुप में सबसे बेहतर है।

भारत के लिए बांग्लादेश से मुकाबला बेहद अहम

टीम इंडिया को अब बुधवार को बांग्लादेश से मैच खेलना है। यह मैच भारत के लिए काफी अहम हो गया है। अगर भरतीय टीम यह मैच हारती है तो फिर उसके पांच मैच खत्म होने के बाद ज्यादा से ज्यादा 6 अंक हो सकते हैं। इसके लिए भी आखिरी मैच में भारत को जिम्बाब्वे को हराना होगा। अगर भारतीय टीम बांग्लादेश से हार जाती है और बांग्लादेश आगे चल कर पाकिस्तान को भी हरा देता है तो वह साउथ अफ्रीका के साथ सेमीफाइनल में पहुंच सकता है। इस वजह से भारत के लिए बांग्लादेश के खिलाफ एक तरह से ष्ठश शह्न ष्ठद्बद्ग जैसा हो सकता है।

पाकिस्तान के लिए बस आउट साइड चांस

पाकिस्तान के लिए अब सेमीफाइनल में पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। हालांकि, यह असंभव नहीं है। अगर

बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला करो या मरो का हो सकता है, 6 में से 5 टीमें होड़ में

भारतीय टीम बांग्लादेश से हारती है और पाकिस्तान की टीम साउथ अफ्रीका को हरा देती है तो उसके लिए चांस बन सकता है। इस स्थिति में दोनों टीमों के 4-4 पॉइंट हो जाएंगे और 6 नवंबर को होने वाले दोनों मुकाबले काफी अहम हो जाएंगे। उस दिन भारत का सामना जिम्बाब्वे से और पाकिस्तान का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। उस दिन अगर भारत और पाकिस्तान दोनों जीत जाती है तो फिर दोनों के 6-6 पॉइंट होंगे और बेहतर नेट रन रेट वाली टीम अंतिम चार में पहुंच जाएगी।

बांग्लादेश को जीतने होंगे दोनों मुकाबले

बांग्लादेश को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी दोनों मैच जीतने होंगे। उसे अभी भारत और पाकिस्तान से खेलना है।

जिम्बाब्वे को चाहिए दो जीत

जिम्बाब्वे को अभी दो मैच खेलने हैं। एक नीदरलैंड से और एक भारत से। अगर जिम्बाब्वे को सेमीफाइनल में पहुंचना है तो उसे दोनों मैच जीतने होंगे।

बोनी कपूर ने पपराजी से पूछा- 'भाई-बहन लग रहे हैं ना?', जाह्नवी कपूर का ऐसा था रिएक्शन

मुंबई,ईएमएस। जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म 'मिली' है। वह इस वक्त अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म को बोनी कपूर ने प्रोड्यूस किया है। रविवार को जाह्नवी कपूर 'द कपिल शर्मा' शो के सेट पर पहुंचीं। इस दौरान जाह्नवी कपूर पपराजी के सामने आई और पोज दिया। उनके साथ बोनी कपूर भी थे। व्हाइट कलर की शिमरी साड़ी और ब्रालेट में जाह्नवी गॉर्जियस लग रही हैं। सिंपल लुक में उन्होंने मुस्कुराते हुए पपराजी को पोज दिए। अपनी अदाओं से वह फैन्स पर कहर ढाती दिखीं। पोज देते हुए बोनी कपूर मजाकिया अंदाज में पपराजी से पूछते हैं, 'भाई-बहन लग रहे हैं ना?' बोनी कपूर फिर से पपराजी से यही पूछते हैं। इसके बाद जाह्नवी अपने पिता की तरफ देखती हैं और कहती हैं, 'पापा।' पोज के व जाह्नवी की अगली फिल्म सर्वाइवल थ्रिलर 'मिली' है। इसमें उनके साथ सनी कौशल और मनोज पाहवा मुख्य भूमिका में हैं। यह पहली बार है जब बोनी कपूर के प्रोडक्शन की फिल्म में जाह्नवी ने काम किया है। 'मिली' 2019 में आई मलयालम फिल्म 'हेलन' की हिंदी रीमेक है। फिल्म 4 नवंबर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पाइपलाइन में कई फिल्में

जाह्नवी की अपकमिंग अन्य फिल्मों में 'बवाल' है। इसमें उनके अपोजिट वरुण धवन हैं। फिल्म 7 अप्रैल 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे नितेश तिवारी डायरेक्ट कर रहे हैं। इसके अलावा जाह्नवी के पास राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेज माही' है। जाह्नवी की पिछली फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 'गुड लक जेरी' थी।

गोलबाजार ब्लैक विजेता

जबलपुर ,यशभारत। महाकौशल शहीद स्मारक ट्रस्ट और गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी के तत्वावधान में गोलबाजार क्रिकेट मैदान पर त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन किया गया जिसमें गोलबाजार ब्लैक ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय किया जिसमें गोलबाजार वाइट ने निर्धारित 30 ओवरों में 184 का लक्ष्य दिया जिसमें मयूर राय 58, एकलव्य सिंह 39, प्रिंस झा 28, विहान अग्रवाल 17 रनों का योगदान दिया गोलबाजार ब्लैक की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए विदुषी गौतम, पार्थ नेमा ने 2- 2 विकेट लिए रूद्राक्ष सोनी, अशोक राणा, हर्षित पांडे 1-1विकेट लिए जवाबी पारी खेलने उतरी गोलबाजार ब्लैक ने बल्लेबाज़ी करते हुए 185 रन बना लिए अशोक राणा 62 सोहम जैन 25 रूद्राक्ष सोनी 21रौनक मंडल 18रन का योगदान दिया वाइट की ओर से गेंदबाज़ी करते हुए विहान अग्रवाल, ईशान अंसारी ने 3- 3 विकेट कमलेश सैयाम, मयूर राय, उदित शाह 1- 1 विकेट लिए रोमांचक मुकाबले में गोलबाजार ब्लैक ने शानदार जीत हासिल कर विजेता ट्रॉफ़ी में कब्जा किया।मैच में बेस्ट बैट्समैन अंश सिंह चौहान, बेस्ट बॉलर विहान अग्रवाल और आग्नेय अग्रवाल, बेस्ट विकेट कीपर समर्थ जायसवाल, मैन ऑफ द मैच अशोक राणा, मैन ऑफ द सीरीज अभय केसरवानी को मुख्य अतिथि पंडित भवानी प्रसाद वार्ड के पार्षद श्री अयोध्या तिवारी (बंटी भैया) एवम कर्नाटक रणजी ट्रॉफी खिलाडी अशोक राणा ने संयुक्त रूप से पुरुस्कार दिया इस त्रिकोणीय प्रतियोगिता का संचालन और आभार पूर्व रणजी ट्रॉफी खिलाडी एवम गोलबाजार क्रिकेट एकेडमी के कोच किशोर बेन ने किया।

पारस कलनावत के साथ दिखीं उर्फी जावेद, फिर से रिलेशनशिप के सवाल पर बोलीं- 'बर्थडे पर आया था लेकिन'

मुंबई,ईएमएस। उर्फी जावेद और पारस कलनावत कभी एक दूसरे को डेट करते थे। बाद में उनका ब्रेकअप हो गया। उर्फी जावेद ने अपना बर्थडे कुछ दिनों पहले ही मनाया। 15 अक्टूबर को दोस्तों के साथ उन्होंने गोवा में जन्मदिन सेलिब्रेट किया। उर्फी की इस पार्टी में पारस कलनावत भी पहुंचे थे। पारस ने सोशल मीडिया पर उर्फी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी थीं। पार्टी में उर्फी और पारस ने एक दूसरे के साथ काफी एंजॉय किया जिसके बाद यह कयास लगाए जाने लगे कि क्या वो फिर से रिलेशनशिप में हैं। अब उर्फी ने इस पर अपना जवाब दिया है।

जन्मदिन की तस्वीरें हुईं वायरल

पारस के साथ रिश्ते को उर्फी पहले ही बचपना बता चुकी हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उनके बीच फिर से ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है। बर्थडे में उन्हें बुलाया था लेकिन वो कपल नहीं हैं। उर्फी कहती हैं उनके बीच दोस्ती है। उन्होंने अपने जन्मदिन पर बुलाया और बीते दिनों को भुला दिया।

पारस के साथ ब्रेकअप पर बोली थीं उर्फी

इससे पहले उर्फी ने अपने ब्रेकअप पर कहा था, 'मैं उसके साथ ब्रेकअप करना चाहती थी। वह एक बच्चा था। वह बहुत पजेशिव था। उसने मेरे नाम के 3 टैटू बनाकर मुझे फिर से इम्प्रेस करने की कोशिश की लेकिन एक बार अलग होने के बाद कौन ऐसा करता है?

'अनुपमा में काम ना मिले, पूरी कोशिश की'

बता दें कि पारस सीरियल 'अनुपमा' में काम कर चुके हैं। उर्फी ने दावा किया कि पारस ने उस वक्त पूरी कोशिश की कि उन्हें अनुपमा में काम ना मिले। उसने टीम से उन्हें नहीं कास्ट करने के लिए कहा। वह उनके साथ काम नहीं करना चाहता था।

लागत भी नहीं निकाल पा रही थैंक गॉड

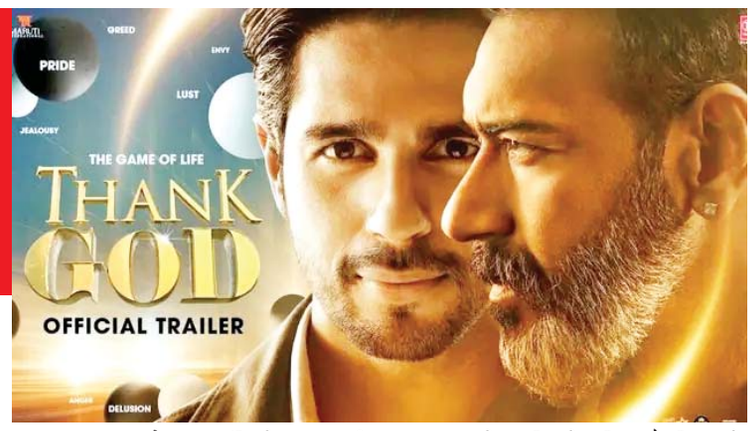

नई दिल्ली ,एजेंसी। अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह स्टारर फिल्म थैंक गॉड का जब ट्रेलर रिलीज हुआ तो यह काफी चर्चा में थी। लेकिन फिर जब बॉक्स ऑफिस के आंकड़े आने शुरू हुए तो ऐसा लगा कि फिल्म विवादों की भेंट चढ़ गई है। दरअसल फिल्म के कुछ किरदारों और सीन्स को लेकर शिकायत दर्ज कराई गई थी। फीका रहा था थैंक गॉड का पहला दिन! रिलीज डे पर फिल्म को 8 करोड़ 1 लाख रुपये की ओपनिंग मिली थी, जो कि इसके साथ ही रिलीज हुई फिल्म राम सेतु से थोड़ी कम थी। माना ये जा रहा था कि फिल्म की कहानी और बाकी चीजों में अगर जोर रहा तो माउथ पब्लिसिटी के दम पर फिल्म के आंकड़ों में फिर एक बार इजाफा होगा, हालांकि ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला।

कितना रहा रविवार का BO कलेक्शन?

आलम ये रहा कि छुट्टी के दिन भी सिनेमाघरों में वैसी रौनक देखने नहीं मिली जिसकी उम्मीद की जा रही थी। रिपोर्ट के मुताबिक बीते रविवार को फिल्म ने सिर्फ 4 करोड़ रुपये की कमाई बॉक्स ऑफिस पर की है। इस तरह देखा जाए तो पिछले 6 दिनों में फिल्म ने टोटल 29 करोड़ 4 लाख रुपये का बिजनेस किया है। फिल्म के द्वारा किया गया ये बिजनेस इसके बजट से भी काफी कम है। खबर है कि फिल्म का कुल बजट ही 50 करोड़ रुपये के आसपास था। अब देखना होगा कि क्या ह्र्ञ्ञ रिलीज और डिजिटल राइट्स बेचकर फिल्म अपनी लागत निकाल पाती है या नहीं। वहीं फिल्म राम सेतु को ना सिर्फ अच्छी शुरुआत मिली बल्कि बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छा बिजनेस किया है।

रणबीर कपूर के लिए कितना मुश्किल था शिवा का रोल, किस तरह की किरदार की तैयारी?

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2022 की ब्लॉकबस्टर हिट फिल्म च्ब्रह्मास्त्र - पार्ट वन शिवाज 4 नवंबर को ह्र्ञ्ञ प्लेटफॉर्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है। दर्शक हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम भाषा में इस फिल्म का मजा ले पाएंगे। फिल्म की ह्र्ञ्ञ रिलीज से पहले रणबीर कपूर ने बताया है कि उन्होंने फिल्म में अपने सुपर पावर्स से लैस किरदार की तैयारी किस तरह की थी, और उन्हें इसमें क्या चुनौतियां पेश आईं?

कितना मुश्किल था शिवा का रोल?

किरदार और फिल्म की तैयारियों के बारे में बात करते हुए रणबीर कपूर ने बताया, चशिवा पेपर्स पर एक बहुत ही जटिल किरदार था। हमें उसे पर्दे पर उतारने के लिए के लिए काफी तैयारी करनी पड़ी। जिस तरह से वह चलता है, दौड़ता है, लड़ता है, डांस करता है। उसकी फिजीकैलिटी के लगभग हर पहलू और मूवमेंट्स को इस किरदार में शामिल किया जाना था।

झलक दिखला जा वापस लौटीं रुबीना

नई दिल्ली ,एजेंसी। टेलीविजन स्टार रुबीना दिलैक अपनी गर्दन की चोट लगने के बाद अब ठीक हो चुकी हैं, और जल्द ही डांस आधारित रियलिटी शो झलक दिखला जा में प्रस्तुति देती दिखेगी।यह जानकारी उनके कोरियोग्राफर सनम जौहर ने दी है। इससे पहले, रुबीना ने कोरियोग्राफर-अभिनेता सनम जौहर के साथ अपने डांस रिहर्सल के दौरान गर्दन में गंभीर चोट लगने का एक वीडियो साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया था। लेकिन सूत्रों के मुताबिक इस हफ्ते इस पावर जोड़ी ने अपनी परफॉर्मेंस से सभी का दिल जीत लिया। इस सप्ताह की थीम अंतरराष्ट्रीय नृत्य शैली है। रुबीना और सनम माधुरी के रॉकस्टार का हिस्सा थे।सनम ने साझा किया, रुबीना घायल हो गई थी, लेकिन वह अब ठीक है और कुछ ही समय में वापस आ गई और आप हमारे प्रदर्शन में देखेंगे कि यह अब तक का सबसे अछा प्रदर्शन है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
मध्यप्रदेश शासन

एकता, अखंडता के सूत्रधार
लौहपुरुष
सरदार वल्लभ भाई पटेल
जयंती पर शत् शत् नमन

एकता के बिना जनशक्ति
तब तक एक ताकत नहीं बन सकती,
जब तक उसे एकजुट कर
सामंजस्य में ना लाया जाये,
तब यह एक आध्यात्मिक शक्ति
बन जाती है।

- सरदार वल्लभ भाई पटेल

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंती कार्यक्रम

D-11130/22

मुख्य अतिथि
मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

अध्यक्षता
शिवराज सिंह चौहान
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

विशिष्ट अतिथि

डॉ. मोहन यादव
मंत्री, उच्च शिक्षा,
मध्यप्रदेश शासन

इंदर सिंह परमार
राज्यमंत्री, स्कूल शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार),
मध्यप्रदेश शासन

31 अक्टूबर 2022, अपराह्न 04:00 बजे । कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर, भोपाल

सीधा प्रसारण Webcast.gov.in/mp/cmevents @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

उच्च शिक्षा विभाग एवं स्कूल शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2022